देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच सोमवार को राजस्थान में आठ लोगों की मौत हो गई। बांधों और नदियों में पानी के उफान के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं बारिश ने राज्य के करौली और हिंडौन में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:243 दिनांक:13-08-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

देशभर में 78वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार दिल्ली के लालकिले से देश को संबोधित करेंगे।

राजस्थान में बारिश ने मचाई तबाही-देखते ही देखते 25 लोग बह गए

जयपुर(ईएमएस)। राजस्थान में हुई मूसलाधार बारिश जमकर तबाही मची है। कई लोगों के घर गिर गए तो कई जगह वाहन भी बह गए। इससे भी ज्यादा दुखद ये हुआ कि 25 लोग देखते ही देखते बह गए। न उन्हे कोई पकड़ पाया और न ही सुरक्षित निकालने में कामयाब हो पाया।रविवार को जयपुर, भरतपुर, करौली और हिंडौन समेत कई इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण 25 से ज्यादा लोग नदी, नालों और बांधों में बह गए। इससे उनकी मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सीकर, सवाई माधोपुर और टोंक में अतिभारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। जयपुर समेत छह जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

दर्जनों लोग जहां पानी में बह गए वहीं हजारों लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर जाने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। जयपुर, करौली, भरतपुर और टोंक समेत छह जिलों में आज स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। इन जिलों में जगह-जगह जलभराव होने के कारण रास्ते जाम हैं। बारिश को देखते हुए सूबे की सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कल आलाधिकारियों की अहम बैठक बुलाकर उन्हें हालात पर नजर रखने और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज जयपुर समेत सात जिलों में अति भारी बारिश की प्रबल संभावना है। वहीं अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, धौलपुर, झालवाड़, कोटा, चूरू और नागौर में भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के बीकानेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में भी बारिश के आसार बने हुए हैं। रविवार को हुई बारिश से भरतपुर, हिंडौली, करौली और जयपुर में बाढ़ जैसे हालत बने हुए हैं। जयपुर में रविवार को दिनभर हुई बारिश के बाद रातभर रिमझिम चलती रही। सोमवार को सुबह फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया।

मौसम विभाग के मुताबिक परिसंचरण तंत्र आज भी उत्तर पूर्वी राजस्थान के आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। इसके अगले तीन-दिनों तक इसी स्थान पर बने रहने की संभावना है। इसके असर से पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभाग के कई भागों में आगामी 5-6 दिन तक मानसून सक्रिय रहेगा। लिहाजा इन इलाकों में भारी से अति भारी बारिश होने के आसार हैं। अगले चार-पांच दिन के दौरान पश्चिमी राजस्थान में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

25 किलो के पैक पर भी लगेगा 5 फ़ीसदी जीएसटी

भोपाल (ईएमएस)। जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक मैं लिए गए निर्णय के अनुसार, अब 25 किलो की पैकिंग में बिकने वाले खाद्यान्न पर पांच फ़ीसदी टैक्स की वसूली की जाएगी। अभी तक 30 किलो के पैकेट पर जीएसटी लागू था। अब इसे घटाकर 25 किलो कर दिया गया है।

कामर्शियल टैक्स विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। बड़े स्टोर, माल और अन्य दुकानों पर बिना प्रोसस किए हुए, जो खाद्यान्न अभी 25 किलो के पैक पर बेचा जा रहा था। उस पर अब टैक्स देना होगा। कमर्शियल टैक्स विभाग द्वारा पिछले दिनों में कई नोटिफिकेशन जारी किए हैं। उसके अनुसार अब बीज,धान,दलहन, मक्का, आदि के 25 किलो के पैक पर भी पांच फ़ीसदी जीएसटी लगेगा। अभी यह लिमिट 30 किलो की थी।

जहानाबाद के सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में भगदड़.....07 श्रद्धालुओं की मौत

-मरने मालों में 06 महिलाएं, दर्जनभर से ज्यादा घायल

जहानाबाद(ईएमएस)। श्रावण सोमवार को जहानाबाद से बड़ी और बुरी खबर आई है। श्रावणी मेला के दौरान बड़े हादसे की खबर है। मंदिर में मची भगदड़ में दबकर कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि एक दर्जन से अधिक शिवभक्त घायल हो गए हैं। मरने वालों में छह महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

घटना जहानाबाद के बराबर स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर क्षेत्र की है। मौके पर प्रशासन की टीम पहुंच गई है। मेला परिसर में तैनात सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। इससे पहले तीसरी सोमवारी पर वैशाली के हाजीपुर में हादसा हुआ था जब बिजली के करंट की चपेट में आकर 9 श्रद्धालुओं की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। गंगाजल उठाने पहले जा रहे शिवभक्तों की टोली का डीजे रथ हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया था।

जानकारी के मुताबिक घटना मंगलवार की देर रात करीब 1:00 बजे की है। बताया जा रहा है कि बराबर पहाड़ी पर चढ़ने के क्रम में सीढ़ी पर भगदड़ मच गई जिससे अफरा तफरी का माहौल बन गया। जान बचाने की कोशिश में श्रद्धालु भागने लगे। इसी दौरान लगभग दो दर्जन लोग जख्मी हो गए। इनमें से 16 घायलों को जहानाबाद सदर अस्पताल और मखदुमपुर रेफरल अस्पताल में भेजा गया। डॉक्टर ने इनमें से छह को मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। घायलों के इलाज में तत्परता के साथ डॉक्टरों की टीम जुटी हुई है। पुलिस और प्रशासन के वरीय अधिकारी मंदिर परिसर में पहुंच गए हैं। वहां राहत बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

इससे पहले सुल्तानपुर में बीते 5 अगस्त को कांवड़ यात्रा के दौरान ऐसा ही बड़ा हादसा हुआ। भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए पहलेजा जा रहे कांवड़ यात्रा में शामिल एक डीजे ट्रॉली 11 हजार वोल्ट करंट वाले तार की चपेट में आ गई। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि भोले बाबा के भजनों पर झूमते हुए डीजे ट्रॉली पर सवार होकर ये कांवड़िए जा रहे थे। इसी दौरान हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया के सुल्तानपुर में उनके साथ चल रही डीजे ट्रॉली का एक हिस्सा हाई टेंशन तार से सट गया। ट्रॉली के उपर जितने लोग सवार थे सब करंट की जद में आ गए। हाई वोल्टेज से टॉली में आग लग गई और चपेट में आए एक दर्जन से अधिक शिवभक्त झुलस गए। इनमें से 9 की मौत हो गई। इसके बाद हाहाकार मच गया।

अयोध्या के बाद अब कन्नौज...... अखिलेश के करीबी पर रेप करने के प्रयास का आरोप

नबाव सिंह यादव सांसद डिंपल का प्रतिनिधि

कन्नौज (ईएमएस)। अयोध्या के बाद अब कन्नौज में भी सपा नेता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सपा नेता नवाब सिंह पर भी रेप के प्रयास का आरोप लगा है। आरोपी सांसद डिंपल यादव का प्रतिनिधि रहा है। यूपी 112 पर कॉल कर बच्ची ने पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस द्वारा यादव की गिरफ्तारी के बाद कन्नौज कोतवाली में हडक्रंप मच गया। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर नाबालिग का मेडिकल परीक्षण कराकर बयान दर्ज किए। पीडिता ने बयान में नवाब सिंह यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

रात्रि 1:30 बजे यूपी 112 पर सूचना प्राप्त हुई थी कि लड़की के टॉप उतार दिए है और गलत काम करने के प्रयास किया। तत्काल थाना पुलिस व पीआरपी पहुंची। मौके पर लड़की, जिसकी उम्र 15 वर्ष है, बच्ची ने टॉप नहीं पहना हुआ था और कमरे में नवाब सिंह यादव, सपा नेता जो कि लोअर नहीं पहना था। इनर वियर में बेड पर लेटा हुआ मिला और लड़की की बुआ भी कमरे में मिली। पीड़िता ने बताया कि यह भाजपा में महिला मोर्चा जिला मंत्री है, पूर्व में सपा पार्टी में थी। सिंह से पहले से जानकारी थी। आज रात लगभग 11:30 बजे मिलने आए थे। और में 5 मिनट के लिए टॉयलेट में गई थी तब वापस आई तब देखा लड़की का टॉप उतरा हुआ था। लड़की ने बताया की बुआ नौकरी दिलाने के नाम पर लाए थे। बुआ जब टॉयलेट गई, तब नवाब सिंह ने टॉप उतरा था तब तक बुआ आ गई फिर यूपी 112 को कॉल किया।

सिंह को हिरासत में लिया गया। यादव की गिरफ्तारी के बाद उनके सैकड़ों समर्थकों ने कोतवाली का घेराव कर उन्हें रिहा करने की मांग की। समर्थकों का कहना है कि यादव के खिलाफ यह मामला साजिशन रचा गया है, ताकि उनके राजनीतिक करियर को खत्म किया जा सके। हालात को देखकर मौके पर सीओ और एएसपी भी पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया। खबरों के मुताबिक यादव ने मामले को अपने राजनीतिक करियर को समाप्त करने की साजिश करार दिया है। उनका कहना है कि यह आरोप उनके खिलाफ रचा गया एक षडयंत्र है। यादव ने आरोप लगाया कि पीडिता की मां, जो पहले समाजवादी पार्टी (सपा) में थी, अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो चुकी है, और इसी वजह से यह पूरा मामला रचा गया है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि इस घटना के पीछे एक सपा नेता का भी हो सकता है। जिसने पूरा गेम प्लान किया। हालांकि, यह आरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

प्रशिक्षु डॉक्टर से बलात्कार: देशभर के प्रमुख अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाएं बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में देशभर के प्रमुख अस्पतालों में मचे हंगामे के बीच, फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) के सदस्यों ने सोमवार को अस्पताल में अनिश्चित काल के लिए वैकल्पिक सेवाएं बंद कर दीं।

फोर्डा ने कोलकाता राज्य सरकार के अस्पताल के डॉक्टरों के समर्थन में देश भर में वैकल्पिक सेवाएं बंद करने के अपने फैसले की घोषणा की, जहां यह दुखद घटना हुई थी। फोर्डा ने पहले कहा था आरजी कर के सहयोगियों के साथ अपनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में, हम सोमवार से अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाओं को देश भर में बंद करने की घोषणा करते हैं। यह निर्णय हल्के में नहीं लिया गया है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि हमारी आवाज सुनी जाए और न्याय और सुरक्षा की मांगों को बिना किसी देरी के पूरा किया जाए।

इसके अलावा,फोर्डा ने अधिकारियों के समक्ष पांच मांगें भी रखीं, जिसमें निवासियों की मांगों को शीघ्र स्वीकार करना, पुलिस द्वारा क्रूरता न करना, मृतक के लिए त्वरित न्याय, स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल और घटना के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा संरक्षण अधिनियम के अनुसमर्थन में तेजी लाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन है। इसके अलावा, रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने भी अधिकारियों से उनके आंदोलन का राजनीतिकरण न करने या इसके उद्देश्य को धूमिल न करने का आह्वान किया। फोर्डा ने कहा, यहां मानवता दांव पर है। बयान में कहा गया, हम सभी से सामूहिक रूप से डॉक्टरों का समर्थन करने और उनकी मदद करने का अनुरोध करते हैं। इस बीच, घटना के मद्देनजर, पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रोफेसर डॉ. बुलबुल मुखोपाध्याय को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के नए चिकित्सा अधीक्षक सह उप-प्राचार्य के रूप में नियुक्त किया है।

शंभू बॉर्डर को आंशिक तौर पर खोलने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही किसान संगठन सक्रिय

नई दिल्ली (ईएमएस)। छह महीने से बंद पंजाब-हरियाणा को जोड़ने वाले शंभू बॉर्डर को आंशिक तौर पर खोलने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही किसान संगठन सक्रिय हो गए हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि किसान पहले से ही चाहते थे कि शंभू बॉर्डर खुले। रास्ता बंद होने से व्यापारियों व ट्रांसपोर्टरों को जहां करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा था, आम जनता को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। डल्लेवाल ने कहा कि अगर किसानों की मानी मांग जल्द लागू न की, तो रास्ते खुलने पर किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ दिल्ली कूच करेंगे। किसान संगठनों का रुख साफ है कि किसान हर हाल में ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ ही दिल्ली कूच करेंगे।

किसान नेता डल्लेवाल ने कहा कि किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ दिल्ली जाने से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के आरोप लगाए जाते हैं लेकिन वह पूछना चाहते हैं कि जब पंजाब से 13 फरवरी को बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रवाना हुए थे, तब रास्ते में कोई दिक्कत नहीं हुई। हरियाणा सरकार और केंद्र को ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से दिक्कत क्यों है? हरियाणा सरकार केंद्र की शह पर किसानों के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है। किसानों को अगर दिल्ली में आंदोलन करना है, तो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के बगैर जाना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर डल्लेवाल ने कहा कि किसान संगठन भी मानते हैं कि हाईवे पार्किंग के लिए नहीं हैं, लेकिन किसानों को मजबूरन यहां रुकना पड़ा है। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। अब वापसी मांगें पूरी होने पर ही होगी। वहीं, आज सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत किसान आंदोलन में मारे गए युवा किसान शुभकरन सिंह की मौत की न्यायिक जांच करवाने के लिए कहा गया था।

भारत ने बांग्लादेश के साथ लगती सीमा पर 70,000 बीएसएफ कर्मी तैनात किए

बांग्लादेशी सुरक्षा बल के साथ लगातार संपर्क में

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाते हुए बांग्लादेश के साथ लगती अपनी पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा पर 70,000 बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) कर्मियों को तैनात किया है। यह कदम बांग्लादेश से शरणार्थियों के संभावित प्रवेश को रोकने के लिए उठाया गया है। बीएसएफ के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि वे सीमा पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी तरह से सतर्क हैं। सीमा पर तैनात जवान किसी भी अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बीएसएफ ने सीमा पर तैनात बांग्लादेशी सुरक्षा बल बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के साथ संचार चैनल खोले हैं, ताकि किसी भी प्रकार के गलतफहमी को दूर कर दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति बनी रहे। 10 अगस्त को बीएसएफ ने मेघालय पुलिस के साथ मिलकर सात बांग्लादेशी नागरिकों और उनके दो भारतीय मददगारों को गिरफ्तार किया। इन्हें एक चेकपॉइंट पर पकड़ा गया था। पकड़े गए लोगों को संबंधित पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है, जहां उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। भारत ने बांग्लादेश से संभावित अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर बीएसएफ को पूरी तरह से सतर्क किया है।

भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 11 बांग्लादेशी नागरिकों को बीएसएफ ने गिरफ्तार किया है। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश करते हुए कुछ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार, घुसपैठ करते हुए पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है।इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य पुलिस को सौंपा जाएगा।

बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने कहा है कि, बीएसएफ के पूर्वी कमान प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने बांग्लादेश में मौजूदा हालात और आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दौरान के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक परिचालन सम्मेलन की अध्यक्षता की थी।

बयान में बताया कि, 11 बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से घुसते समय सीमा पर पकड़ा गया है। इनमें से दो लोगों को पश्चिम बंगाल, दो लोगों को त्रिपुरा सीमा और सात लोगों को मेघालय सीमा से पकड़ा गया है।

हर घर तिरंगा........पूरी तरह तिरंगे से पट गई कश्मीर की वादिया,तिरंगा रैलियों में बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे लोग

श्रीनगर (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले कश्मीर घाटी में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विभिन्न जिलों में तिरंगा रैलियां निकाली जा रही हैं, इसमें बड़ी संख्या में घाटी के लोग हिस्सा ले रहे हैं। इन तिरंगा रैलियों का आयोजन सरकारी स्तर पर हुआ ही साथ ही भाजपा ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया है। कुछ स्वयंसेवी संगठनों की ओर से भी तिरंगा रैलियां आयोजित की गयीं जोकि दर्शाता है कि हर कश्मीरी गर्व से और दिल से तिरंगा फहरा रहा है।

बता दें कि इन तिरंगा रैलियों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि सबके मन में देशभक्ति की भावना प्रज्ज्वलित की जाए। इन तिरंगा रैलियों के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया गया। सरकारी स्तर पर निकाली गयी तिरंगा रैलियों का पुलिस उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों सहित पुलिस तथा नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतृत्व किया और सैंकड़ों लोगों ने इनमें भाग लिया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप ऐसी रैलियां और अन्य कार्यक्रम जारी रहने वाले है। इस बीच, श्रीनगर में भाजपा पार्टी मुख्यालय से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बाइक पर तिरंगा रैली निकाली। भाजपा समर्थकोंने कहा कि हम देशभक्ति और देश प्रेम प्रदर्शित करने के लिए तिरंगा रैली का आयोजन करके खुश हैं।

भारी बारिश के चलते बालटाल मार्ग से जाने वाली अमरनाथ यात्रा रद्द

श्रीनगर,(ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा रविवार को भारी बारिश के बाद रखरखाव कार्य के चलते बालटाल मार्ग पर स्थगित कर दी गई। एक अधिकारी ने बताया कि यात्रा के पहलगाम मार्ग पर जरुरी मरम्मत और रखरखाव कार्य पहले से ही किया जा रहा है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार भिदुरी ने कहा कि भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की जरुरत है। यात्रियों की सुरक्षा के हित में सोमवार को भी बालटाल मार्ग से यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि समय आने पर आगे की जान कारी दी जाएगी। बता दें इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पंथा चौक बेस कैंप से कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ था।

लोन नहीं चुका पाने पर अभिनेता राज पाल यादव की करोड़ों की संपत्ति सीज

शाहजहांपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश स्थित शाहजहांपुर निवासी बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। फिल्म अता-पता लापता के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया मुंबई की बांद्रा ब्रांच से लिए गए लोन को न चुका पाने के कारण राजपाल यादव की शाहजहांपुर में सेठ एंक्लेव स्थित करोड़ो की संपत्ति को बैंक ने सीज कर दिया है। दो दिन पहले मुंबई से सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के अधिकारी शाहजहांपुर पहुंचे थे और यहां आकर उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी थी। रविवार को उन्होंने इस प्रॉपर्टी पर बैंक का बैनर लगा दिया। इसमें लिखा था कि यह संपत्ति सेंट्रल बैंक आफ इंडिया मुंबई की है इस पर किसी तरह का कोई भी खरीद फरोख्त ना की जाए। सोमवार सुबह सेंट्रल बैंक आफ इंडिया मुंबई के अधिकारी इस प्रॉपर्टी पर पहुंचे और इसे सीज कर दिया। बता दें कि राजपाल यादव के पिता नौरंगी लाल यादव के नाम से मुंबई की सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की बांद्रा ब्रांच से एक बड़ा लोन लोन लिया था। इस लोन को न अदा कर पाने के कारण यह कार्रवाई की गई है।

वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को लेकर अजीत का बयान.... .बढा देगा महायुति में टेशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लेकर राजनीति जारी है। फिलहाल बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। हालांकि, इस लेकर एनसीपी प्रमुख अजित पवार का बयान भाजपा की टेंशन को बढ़ सकता है। धुले में एनसीपी जन सम्मान यात्रा को संबोधित कर पवार ने कहा कि केंद्र सरकार एक नया बिल (वक्फ संशोधन विधेयक, 2024) लेकर आई है। इस बिल को जेपीसी के पास भेजा गया है जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सांसद शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा कि एनसीपी ने फैसला किया है कि अगर आपको इस बिल को लेकर कोई चिंता है, तब हमारी पार्टी आपकी बात सुनेगी। उन्होंने कहा कि हम अल्पसंख्यकों के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाओं के लिए हम नई लाडली बहना योजना लेकर आए हैं। राज्य की महिलाओं को एनसीपी पर भरोसा है। नवंबर में चुनाव होगा और दिसंबर में नई सरकार बनेगी। हमें इस योजना को आगे भी जारी रखना है। इसलिए मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि महायुति और उसके संबंधित विधायक उम्मीदवारों का समर्थन करें। पवार ने कहा कि हमने तय किया है कि इस शैक्षणिक वर्ष से ईडब्ल्यूएस और पिछड़े वर्ग की महिलाओं की कॉलेज शिक्षा को पूरी तरह से प्रायोजित किया जाएगा। 8 अगस्त को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने नासिक के डिंडोरी से अपनी जन सम्मान यात्रा शुरू की।

हिंडनबर्ग-सेबी विवाद से उबरा बाजार शुरुआती गिरावट के बाद सपाट बंद

मुंबई (ईएमएस)। हिंडनबर्ग-सेबी विवाद के बीच सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद हुए। शुरुआती गिरानट से उबरते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 56.99 अंक टूटकर 79,648.92 पर बंद हुआ। सोमवार को सुबह के कारोबार में इंडेक्स 479.78 अंक की गिरावट के साथ 79,226.13 के निचले स्तर पर आ गया था। बाद में बेंचमार्क में तेज सुधार हुआ और यह 400.27 अंक चढ़कर 80,106.18 पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 20.50 अंक गिरकर 24,347.00 पर बंद हुआ। निफ्टी में सोमवार को 24,212.10 और 24,472.80 के रेंज में कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। एक्सिस बैंक, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। इसके अलावा, कोटक बैंक, मारुति, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एसबीआई और नेस्ले इंडिया सेंसेक्स के टॉप-5 लूजर्स साबित हुए। इसके अलावा, एमएंडएम, रिलायंस,टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल,आईटीसी, टाइटन, बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

बाजार जानकार ने कहा, भारतीय बाजार अपेक्षाकृत सपाट रहा। उन्होंने कहा कि अदाणी-हिंडनबर्ग और सेबी के बीच फिर से विवाद के तुल पकड़ने से बाजार की शुरुआत कमजोर रही। हालांकि, बाद में भारतीय शेयर बाजार, वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए स्मार्ट रिकवरी करने में कामयाब रहे।

ग्लोबल मार्केट का कैसा रहा हाल

एशियाई बाजारों में, सियोल और हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में रहे, जबकि शंघाई निचले स्तर पर बंद हुआ। टोक्यो और बैंकॉक में बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजार अधिकतर ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

शुद्ध खरीदार रहे विदेशी संस्थागत निवेशक

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआईएस) कई दिनों की शेयर बिकवाली के बाद शुक्रवार को खरीदार बन गए। उन्होंने 406.72 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत चढ़कर 80.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी........आज दिल्ली में ट्रैफिक रूट रहेगा डायवर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर दिल्ली में तैयारियां जोरों पर हैं। स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को देखकर दिल्ली पुलिस ने 13 अगस्त को ट्रैफिक रूट डायवर्ट करने का फैसला किया है।

दरअसल मंगलवार दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर फुल ड्रेस रिहर्सल होने वाली है। यह देखकर कुछ सड़कों को बंद किया जाएगा। वहीं वैकल्पिक मार्गों को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पूरी जानकारी साझा की है। रिहर्सल को सुचारू रूप से चलाने के लिए शहर भर की प्रमुख सड़कें सुबह 4 बजे से 11 बजे तक बंद रहेंगी। रिहर्सल के दौरान आठ प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसमें नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, एसपी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निषाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और उसका लिंक रोड, राजघाट से आईएसबीटी तक रिंग रोड, आईएसबीटी से आईपी फ्लाईओवर तक आउटर रिंग रोड शामिल है।

रिहर्सल के लिए उचित पार्किंग लेबल के बिना वाहनों को कई प्रमुख क्षेत्रों से बचना होगा। इस दौरान लोग सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, कोपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू पॉइंट, ए पॉइंट , तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, जेएल नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन खट्टा और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड, निजामुद्दीन खट्टा से सलीमगढ़ बायपास होकर आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक बाहरी रिंग रोड शामिल है। बता दें कि रिहर्सल के दौरान शांति वन की ओर जाने वाला पुराना लोहे का पुल और गीता कॉलोनी पुल बंद रहेगा। हालांकि, रिंग रोड तक पहुंच के लिए डीएनडी, एनएच-24 (एनएच-9), युधिष्ठिर सेतु, सिग्नेचर ब्रिज और वजीराबाद ब्रिज खुले रहेगा। वहीं निजामुद्दीन और वजीराबाद पुलों के बीच मालवाहक वाहनों की आवाजाही 12 अगस्त की मध्यरात्रि से 13 अगस्त की सुबह 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेगी।

रविशंकर प्रसाद, संजय निरुपम ने हिंडनबर्ग पर हमला बोला

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और पूर्व सांसद संजय निरुपम ने हिंडनबर्ग पर हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि 'हिंडनबर्ग रिसर्च ने कांग्रेस के साथ मिलकर देश को बदनाम किया है और अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी के खिलाफ 'सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और जयराम रमेश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''राहुल (गांधी) और जयराम रमेश। यह देश को बदनाम करने वाला गिरोह है। हिंडनबर्ग हमें बदनाम करता है। हम राष्ट्र का यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये लोग देश के दुश्मन हैं। अब हिंडनबर्ग के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के इस रुख को दोहराया कि शॉर्ट सेलिंग कंपनी का आरोप और विपक्ष द्वारा बाजार नियामक सेबी की आलोचना एक व्यापक साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक सुरक्षित, स्थिर और बेहतर बाजार के तौर पर देखा जा रहा है लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसा माहौल बनाना चाहती है कि भारत का निवेश परिदृश्य सुरक्षित नहीं है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस हिंडनबर्ग में निवेशक हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि शेयर बाजार धराशायी हो जाए जिसने करोड़ों छोटे निवेशकों को अच्छी आय दी है। उन्होंने कहा, ''लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद, कांग्रेस, उसके सहयोगियों और टूलकिट गिरोह में उसके सबसे करीबी सहयोगी ने भारत में आर्थिक अराजकता और अस्थिरता लाने के लिए एक साथ साजिश रची है। प्रसाद ने सवाल किया कि 2004 से 2014 के बीच कांग्रेस के 10 साल के शासन में कई कथित घोटाले हुए और तब इस तरह की आलोचनात्मक रिपोर्ट क्यों नहीं लाई गई?

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट को देश के खिलाफ साजिश बताया है। उन्होंने कहा है कि हिंडनबर्ग अमेरिका में स्थित एक वित्तीय संस्थान है। वे विभिन्न शेयर बाजारों में शॉर्ट-सेलिंग का कारोबार करते हैं। यह हमले की साजिश है। भारत की अर्थव्यवस्था को बाधित करने और कमजोर करने की कोशिशें चल रही हैं। हिंडनबर्ग के साथ खड़े लोग भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करना चाहते हैं। चाहे कांग्रेस हो या बाकी विपक्ष। ये भारत के खिलाफ साजिश है। और कांग्रेस इस साजिश के साथ खड़ी है।।।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी कांग्रेस पर सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर अराजकता और विवाद फैलाने का आरोप लगाया है।

जन हितैषी

सेबी प्रमुख माधवी बुच का इस्तीफा और जेपीसी की मांग पर अड़ा विपक्ष

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। उन आरोपों को सेबी प्रमुख माधवी बुच ने अपने खंडन में एक तरह से स्वीकार कर लिए हैं। सेबी का पूर्ण कालिक डायरेक्टर और अध्यक्ष बनने के पहले उनका पैसा निवेश था। वह तब सिंगापुर की नागरिक थी। डायरेक्टर बनने के पहले उन्होंने अपने शेयर अपने पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए थे। 2018 में इस फंड को अनिल आहूजा की सलाह पर उन्होंने निवेश किया है। अब अनिल आहूजा ने कहां निवेश किया है। इस जिम्मेदारी से बुच दंपति ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। आरोप का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, उनके द्वारा कोई प्रत्यक्ष निवेश अदानी समूह में नहीं किया गया है। उनके पति धवल ने यह भी स्वीकार किया है। 2019 में ब्लैक स्टोन फंड से जुड़े थे, लेकिन वह फंड की रियल स्टेट विंग में नहीं थे। एक तरह से उन्होंने हिडनबर्ग के आरोपों को स्वीकार कर लिया है। अपने बचाव मे यह जरूर कहा, सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब हिडनबर्ग ने नहीं दिया है, उल्टा आरोप लगा दिए हैं। माधवी बुच ने 16 मार्च 2022 तक अगोरा पार्टनर्स सिंगापुर में 100 फ़ीसदी भागीदारी के बारे में कोई खंडन नहीं किया है। हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के साथ जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। उन दस्तावेजों और आरोपों को माधवी और उनके पति धबल बुच ने स्वीकार कर लिया है। उस निवेश को नियमानुसार सही ठहरने का प्रयास किया है। इस सफाई के बाद भी हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सारा विपक्ष एकजुट होकर सेबी प्रमुख माधवी बुच से इस्तीफा मांग रहा है। इस्तीफा नहीं देने पर सरकार से निलंबन की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है, सेबी प्रमुख के पद पर माधवी के रहते हुए जांच संभव नहीं है। विपक्ष का आरोप है, सेबी प्रमुख ने सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखा। जांच को अटकाने और भटकाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस्तीफा मांग लिया है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति की थी। जब पहली बार हिडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के बचाव में पूरी ताकत लगा दी थी। जिन-जिन लोगों ने गौतम अडानी के बारे में संसद के अंदर और संसद के बाहर सवाल किए थे। उन सब को सरकार द्वारा प्रताड़ित किया गया। अतः जेपीसी के माध्यम से ही शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच संभव है। राहुल गांधी ने भी 20000 करोड रुपए की ऑफशोर फंडिंग मे पैसा किसका था। इसका जवाब अभी तक की जांच में नहीं मिला है। उन्होंने भी जेपीसी की मांग की है। हिडनबर्ग का भारत से प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना-देना नहीं है। सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब देना उसके लिए आवश्यक नहीं है। सेबी का मानना था, वह कोई जवाब नहीं देगा, इस मामले को रफादफा कर दिया जाएगा। लेकिन यह दांव सेबी पर उल्टा पड़ गया। हिडनबर्ग ने दूसरी बार की रिपोर्ट में सेबी प्रमुख और अडानी के बीच के संबंधों को उजागर कर दिया। भारत की नियामक संस्था, सेबी प्रमुख द्वारा किस तरह से अडानी समूह को बचाया जा रहा है। अदानी समूह और सेबी प्रमुख के रिश्ते उजागर हो गए हैं। दूसरी रिपोर्ट के दस्तावेजों के आधार पर जांच कराए जाने का दबाव सरकार और सुप्रीम कोर्ट पर बढ़ गया है। जिस तरह से यह मामला तूल पकड़ रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार में भारी घबराहट है। रविवार के दिन सरकार, सेबी और कारपोरेट जगत ने बाजार को गिरने से रोकने के लिए रणनीति तैयार कर ली थी। सोमवार को जब शेयर बाजार खुला, गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। सभी वित्तीय संस्थानो और कारपोरेट जगत के सहयोग से बाजार को गिरने से रोका गया। विदेशी निवेशक लगातार शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। उससे ज्यादा पैसा भारत सरकार की वित्तीय संस्थाएं शेयर बाजार में निवेश कर रही हैं। बाजार में भारी पैसा निवेश किया है। डीमेट के माध्यम से करोड़ों आम लोगों ने म्युचुअल फंड में निवेश किया है। सोमवार को बाजार की गिरावट को, किसी तरीके से रोक लिया गया है। अदानी समूह के शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। जिस तरह की घबराहट आम निवेशकों में है। विदेशी निवेशक बाजार छोड़कर बाहर जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना सरकार और कॉर्पोरेट कंपनियों के वश की बात नहीं रह गई है। शेयर बाजार को बचाए रखने के लिए सेबी प्रमुख माधवी को स्वयं इस्तीफा देकर निवेशकों का विश्वास बढ़ाना होगा। सरकार को निष्पक्ष जांच कराने के लिए जेपीसी की जांच को स्वीकार करना चाहिए। भारतीय शेयर बाजार में बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड और अन्य फंड शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश हैं। निष्पक्ष तरीके से जांच और छोटे निवेशकों की सुरक्षा को पुख्ता नहीं किया गया, तो देश में भयानक आर्थिक संकट की आशंका अर्थशास्त्रियों द्वारा व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार के निवेशकों को हर्षद मेहता घोटाले की याद आने लगी है। 1990 से 1992 के बीच में इसी तरह शेयर बाजारों मे कृत्रिम तेजी बनाई गई थी। वही घबराहट अब निवेशकों में दिखने लगी है। वर्तमान घोटाले की तुलना में हर्षद मेहता का घोटाला ऊंट की तुलना में जीरे के समान है। शेयर बाजार अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार कर रहा है। 1992 में जो घोटाला हुआ था। उस समय देश का पैसा देश के पास था। अब मुनाफा वसूली के जरिए विदेशों में चला गया है। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गड़बड़ी देश की आर्थिक स्थिति को अर्श से फर्श में पहुंचा सकती है। 1992 के शेयर बाजार के घोटाले में सरकार बचाव की मुद्रा में नहीं थी। वर्ष 2023 एवं 2024 में सरकार घोटालेबाजों का बचाव कर रही है। अब विपक्ष एकजुट हो गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष की शक्ति काफी बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में सरकार बहुत लंबे समय तक घोटालेबाजों का संरक्षण नहीं कर सकती है। एकमात्र विकल्प जेपीसी का गठन है। इससे राजनैतिक एवं आर्थिक हितों को सुरक्षित किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य कोई विकल्प सरकार के पास नहीं है।

दिल्ली की सिंधासन के लिए सियासी जंग शुरू

भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ व पंडितयों के मध्य चिन्तन व चर्चा दबी जुबान से शुरू हो गई कि मोदी व शाह के लिए तीसरे काल में सरकार चलाना इतना आसान नहीं, जिसकी झलकआये दिनों देखने को मिलनें लगी है। विश्व के राजनीति पटल पर सदियों से अपना सिक्का जमाने वाला हमारा देश भारतवर्ष सैदव ही चर्चा के केन्द्र में रहता है।भारतीय राजनीति में इसी क्रम में परिवर्तन का चक्र चला दिल्ली दरबार के सिंधासन भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की सरकार बनी, 2014 से 2024 दो कार्यकाल तक चली,भाजपा व मोदी सरकार के हौसले बुलंद थें।दूसरे कार्यकाल में तो विपक्ष को कुछ नही माने देश के लोकतंत्र के मन्दिर में संविधान संसोधन,बिल पास करवाने विपक्षों दलो के सांसद का निलम्बन आदि काफी चर्चा व चिन्तन का विषय बना,पार्टी द्वारा अपने संरक्षक स्वरूप आर एस एस अर्थात संघ की अनदेखी तक करते लगी।सर पर 2024 का साधारण चुनाव था।इसके पूर्व राज्यो के विधान सभा चुनावों में सफलता मिलती देख कर,अपने समर्थकों व पार्टी के कार्यकत्ताओं के लिए फरमान जारी कर दिया कि मोदी-शाह के नेतृत्व में अबकी बार 400 का दिया, पार्टी नें अपने मोदी-शाह जिसे चाणक्य भी कहा जाने था। लोकसभा चुनाव के परिणाम 400 का आकंडा पहुंचना तो दुर की बात-सरकार बनाने के लिए दो दलों का बैसाखी का लेना पड़ा।भारतीय राजनीति के क्षितिज पर विगत 10 बर्षो तक चमकने -दमकने वाला मोदी व उसके अजीज दोस्त शाह की करिश्माई जोड़ी के नेतृत्व में एन डी ए व दो बैशाखी के सहारे की सरकार तो बना ली, लेकिन दिल्ली दरबार की तीसरी मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही यह पूछा जाने लगा था कि भाजपा व उसके सहयोगी दलों की केन्द्र में सरकार कितने दिन चलेगी ?यहाँ पर आपके मन सक व शंका उठना स्वाभाविक है कि 10 बर्षो से केन्द्र सरकार में एन डी ए की नेतृत्व वाली सरकार के लिए ऐसी कहना उचित है क्या। मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि ऐसी आशंका किसी भी गठबंधन सरकार के लिए जताई जाती रहीहै।कई गठबंधन सरकारें चली भी हैं,तो गठबन्धन की सरकार ताश के पत्ते की भरभरा कर गिरी भी हैं। आप को स्मरण होगा सन1992 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में बनी नरसिंह राव की सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था।उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)ने भी अपना कार्यकाल पूरा किया था।डा0 मनमोहन सिंह की अगुवाई में दो ƒ%छुह्ह– द्र्ङ्घह□ 1और यूपीए 2 ने अपना कार्य काल पूरा किया था।वही गठबंधन सरकारों के बीच में ही भरभराकर गिर पड़ने के कई उदाहरण हैं।भारतीय राजनीति में आपातकाल अध्याय के बाद केंद्र में विपक्ष की बनी पहली सरकार जनता पार्टी की एक तरह से गठबंधन की ही सरकार थी।वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में 1989 में जनता दल के नेतृत्व में बनी सरकार भी बीच में ही गिर गई थी।

इस सरकार को एक ओर से वामपंथी तो दूसरी ओर से बीजेपी समर्थन दे रही थी।इसी तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी दो सरकारें भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं।एक बार तो वाजपेयी लोक सभा में बहुमत ही नहीं साबित कर पाये(सरकार महज 13 दिन रही)और दूसरी बार सरकार बनी तो महज 13 महीनों में ही गिर गई।इससे पहले चौधरी चरण सिंह की सरकार महीने भर और चंद्रशेखर की सरकार भी चार महीने में ही गिर चुकी है।

एक बच्चे की सउरी(गर्भवती जिस कमरे में बच्चे को जन्म देती है)में ही नजर उतराई(झाड़-फूंक) होने लगे उसके सौ साल जीने की उम्मीद कैसे लगाई जाए।राहुल गाँधी और लालू प्रसाद यादव दोनों इस ख्वाहिश को जता चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की एन 1 व एन 2 की बैसाखी वाली सरकार कितने दिन चल पायेगी।दोनों सहयोगी दलों मोदी सरकार से अपनी दलो व राज्यों सरकार कई बात की उम्मीद लेकर बैठे हैं। सर्व विदित रहे कि तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू,जिनकी पार्टी के 16 सदस्य हैं और जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार,जिनके दल के 12 सदस्य हैं,किसी न किसी दिन सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे।संसद के बजट सत्र में ,इस बात के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी चुतराई से दोनों राज्यों को बड़े पैकेज देकर उनकी चाहत का ख्याल रखा गया। उन्हें असंतोष नहीं हुआ लैकिन दूसरे राज्यों में असंतोष देखने को मिला है,उनका मानना है कि मोदी सरकार ने बजट में उनके साथ अन्याय हो रहा है।जिसकी झलक नीति आयोग की बैठक मुख्य मंत्रियों का बहिष्कार कर हालॉकि प0 बंगाल की मुख्य मंत्री सुश्री ममता बनजी बैठक में बैठक के मध्य में छोड़ कर चली गई।उनका आरोप था कि उन्हें बैठक में बोलने के लिए एक तो कम समय मिला इतना ही बीच में उनका माईक बंद कर दिया।मोदी सरकार व पार्टी का मानना है कि अगर चंद्रबाबू और नीतीश के समर्थन वापस ले लेने पर भी सरकार के पास 266 सदस्यों का समर्थन रहेगा। जिसकी सरकार होती है उसके लिए छह बाकी सदस्यों का इंतजाम करना बहुत मुश्किल नहीं होगा।वे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की तरह केंद्र में भी दूसरी पार्टियों के सांसदों को बीजेपी में मिलाकर अपनी संख्या 272 तक पहुंचाने की कोशिश जरूर करेंगे। पीछे भी यही मोदी शाह टीडीपी के सांसदों को तोड़ भी चुके हैं, इसलिए इस बात की गारंटी नहीं है कि वे इस बार ऐसी कोई कोशिश नहीं करेंगे इसलिए सरकार गिरे,यह सहज में तो संभव नहीं।लेकिन सरकार के सामने समस्या है,और वह असल समस्या यह है कि भाजपा और संघ में मोदी और शाह के खिलाफ असंतोष बन आया है।उनकी वोट दिला पाने की क्षमता और ‹छङ्ग%ल्रू*हुह्र–ह्न्द्रह्ह पर सवालिया निशान लग गया है।माना जा रहा है कि उनकी गलत नीतियों और उनकी मनमानी के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान हुआ है।इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले जम्मू-कश्मीर,महाराष्ट्र,हरियाणा और झारखंड विधान सभा के चुनावों में यदि भाजपा हारती है तो मोदी-शाह के नेतृत्व पर सीधा सवाल उठ सकता है।उन्हें बदलने की मांग उठ सकती है।

साथ ही, मोदी और शाह पर अब जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का भी दबाव है। लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया है कि वह मोदी सरकार के कार्यकाल से खुश नहीं है और उन्होंने अपनी कार्यशैली न बदली तो इस बार बहुमत नहीं दिया,आगे इस लायक भी नहीं छोड़ेगी कि वे सरकार बना सकें।भाजपा का कोर वोटर वर्ग भी अब यह आशा छोड़ चुका है कि मोदी और शाह अब हिंदुत्व का कोई बड़ा काम कर पाने की हैसियत में हैं।2047 में भारत की बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का लोक लुभावना उन्हें प्रंसद नही आ रहा।उनका सीधा सवाल है,कहाँ गया एनआरसी या कॉमन सिविल कोड का मुद्दा? पीओके को भारत में मिलाने का मुद्दा?बढ़ती आबादी पर लगाम लगाने का मुद्दा? ये सवाल दिनोंदिन प्रखर होते जाएंगे। विपक्ष अब मज़बूत है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण लोक सभा में इसी सत्र के दौरान सरकार द्वारा वफफ बोर्ड संसोधन बिल पास नही करवाई पाई आखिरकार जे पी सी में भेजना है।वही राज्य सभा में सभापति व राज्य सभा सांसदों के बीच बढ़ते ठकराव ये तनाव इतनी बढ़ गई कि विपक्ष सभापति महोदय से अपने वर्त्ताव मे बदलाव करने की माँग करने लगी बात उनके पर महाभियोग लाने की तैयारी करने के लामबन्ध हो गए हालाकि संसद के सत्र जो पूर्व कार्यक्रम के अनुसार 12 अगस्त तक चलने वाली थी शुक्रवार को सदन को अगली घोषणा तक स्थगित कर दी गई।वही राहुल गाँधी की छवि भी बदल चुकी है।वें विपक्ष के नेता बन गए है।सम्पूर्ण विपक्ष भी अब लोगों के बीच सवाल पहुँचाने में कमजोर नहीं पड़ेगा।खैर इस संदर्भ में अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी,ये तो अतीत के गर्भ में छुपा है।एक बात 100ड्ड सच है कि राजनीति कुछ में कुछ असम्भव नही है।इसके लिए आप व हमें इतंजार करना ही उचित होगा।फिलहाल आप सभी यह कहते हुए विदा लेते है-ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ बैर। खबरीलाल तो माँगे,सबकी खैर ? फिर मिलेंगे,तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।तब तक के लिए आप सभी से विदा चाहते है। अलाविदा। (लेखक- विनोद तकियावाला/ ईएमएस) (स्वतंत्र पत्रकार/स्तम्भकार)

अंगदान बीमार या मरते को नयी मुस्कान देने का पुण्य

(विश्व अंगदान दिवस-13 अगस्त 2024 पर विशेष)

विश्व अंगदान दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंगदान के महत्व को समझने के साथ ही अंगदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है ताकि अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को अंगदान से जुड़ी गलतफहमियों से अवगत कराया जा सके। इस दिवस का एकमात्र उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को मृत्यु के बाद अंगदान के महत्व के बारे में प्रोत्साहित करना और शिक्षित करना है ताकि अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके, जरूरतमंदों की जीवन मुस्कान लौटायी जा सके। गुर्दे, हृदय, अग्न्याशय, आंखें और फेफड़े जैसे अंग दान से पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से अंगदान एक महान् दान है, जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। अंग दान-दाता कोई भी हो सकता है, जिसका अंग किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये अंग से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। वर्ष 2024 की इस दिवस की थीम है ‘आज किसी की मुस्कान का कारण बनें!’

‘अंगदान दिवस’ पूरे विश्व एवं भारत में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह अंगदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा प्रदान करती है। अंगदान ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी जीवित या मृत, दोनों तरह के व्यक्तियों से स्वस्थ अंगों और ऊतकों को लेकर किसी अन्य ज़रूरतमंद व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। प्रत्यारोपित होने वाले अंगों में दोनों गुर्दे (किडनी), यकृत (लीवर), हृदय, फेफड़े, आंत और अग्न्याशय शामिल होते हैं। जबकि ऊतकों के रूप में कॉर्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियों और वेसेल्स का प्रत्यारोपण होता है। आँख, पाचक ग्रंथि, आँत, अस्थि ऊतक, हृदय छिद्र, नसें आदि अंगों का भी दान किया जा सकता है। पूरे देश में ज्यादातर अंग दान अपने परिजनों के बीच में ही होता है अर्थात् कोई व्यक्ति सिर्फ अपने रिश्तेदारों को ही अंग दान करता है। विश्व स्तर पर और भारत जैसे विकासशील देशों में अंग की बढ़ती आवश्यकता को रोकने में मृत दाता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि एक मृत दाता आठ व्यक्तियों को बचा सकता है।

2021 में, वैश्विक स्तर पर 1,44,302 अंग प्रत्यारोपण हुए, जिनमें से 26.44 प्रतिशत (38,156) मृतक अंग दान के हैं। भारत ने कुल 12,259 प्रत्यारोपण किए, जो वैश्विक प्रत्यारोपण में 8 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसमें प्रमुख प्रत्यारोपण गुर्दे (74.27 प्रतिशत), उसके बाद लीवर (23.22 प्रतिशत), हृदय (1.23 प्रतिशत), फेफड़े (1.08 प्रतिशत), अग्न्याशय (0.15 प्रतिशत) और छोटी आंत (0.03 प्रतिशत) के हैं। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2021 की तुलना में, भारत में क्रमशः किडनी (759), लिवर (279) और हृदय (99) में 1137 अधिक मृत अंग प्रत्यारोपण की सूचना मिली है। हालांकि, भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, मांग को पूरा करने के लिए लगभग 175,000 किडनी, 50,000 लिवर, हृदय और फेफड़े और 2,500 अग्न्याशय की आवश्यकता है। प्रत्यारोपण की संख्या और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक बड़ा अंतराल है। अंगदान जीवन के लिये अमूल्य उपहार है। अंगदान उन व्यक्तियों को किया जाता है, जिनकी बीमारियाँ अंतिम अवस्था में होती हैं तथा जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्न्याशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डी और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात् दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड के मामले में ही दान किया जा सकता है।

अंगदान और प्रत्यारोपण ‘मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओए) 1994 के अंतर्गत आता है, जो फरवरी 1995 से लागू हुआ। इस अधिनियम के अनुसार अंगदान सिर्फ उसी अस्पताल में ही किया जा सकता है, जहां उसे ट्रांसप्लांट करने की भी सुविधा हो। यह अपने आप में बेहद मुश्किल नियम था। इस नियम से दूर-दराज के इलाकों के लोगों का अंगदान तो हो ही नहीं पाता था। इस समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा 2011 में इस अधिनियम को संशोधित किया गया। नए नियम के मुताबिक अंगदान अब किसी भी आईसीयू में किया जा सकता है अर्थात उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट न भी होता हो, लेकिन आईसीयू है, तो वहां भी अंगदान किया जा सकता है। केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर साल लाखों लोगों के शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है।

दुनियाभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महत्ती आवश्यकता है। रक्तदान के बाद दूसरे स्थान पर है नेत्रदान। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। यहाँ प्रति 10 लाख पर मात्र 0.15 लोगों द्वारा ही अंगदान किया जाता है। जब की प्रति 10 लाख पर अमेरिका में 27, क्रोएशिया में 35 एवं स्पेन में 36 लोग अंगदान करते हैं। अंगदान का पूरा रिकार्ड संधारित किया जाता है जिसकी जानकारी ‘‘नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन’’ को दी जाती है। 65 वर्ष उम्र तक के वे व्यक्ति जिनका ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हैं वे अंगदान कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति का 4 घंटे तक दिल एवं फेफड़े, 6 से 12 घंटे तक किडनी, 6 घंटे तक लिवर, 24 घंटे तक पेनक्रियाज एवं 5 साल तक टिश्यू को सुरक्षित रख जा सकता है। प्राकृतिक मौत पर दिल के वाल्व, कॉर्निया, त्वचा एवं हड्डी जैसे ऊतकों का दान किया जा सकता है।

भारत के आम नागरिकों में अंगदान को लेकर उचित शिक्षा और जागरूकता का अभाव है। अधिकांश लोग मृत्यु के बाद जीवन एवं पारलौकिक विश्वासों में जीता है। अतः शरीर के अंगों में काट-छाँट उन्हें प्रकृति व धर्म के विपरीत लगता है। इसके अलावा समाज में व्याप्त अंधविश्वास, अंगदान के प्रति लोगों में स्पष्ट अवधारणा का अभाव में भय एवं मिथक, दूर दराज क्षेत्रों में सुविधाओं का अभाव, मानसिक तौर पर मृत व्यक्ति के परिजनों की सहमति नहीं मिल पाना, अस्पताल में अंग लेने के साधनों का अभाव और सबसे ऊपर जागरूकता का अभाव ऐसी चुनौतियां है जिन पर गहन चिंतन-मनन करते हुए अंगदान को व्यापक बनाया जा सकता हैं। लोगों को खासकर ब्रेन डेड मरीज के परिजनों को समझना होगा कि अंगदान सबसे बड़ा दान एवं पुण्य का काम है। अंगदान कर आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा कर उसके जीवन में मुस्कान लाकर, पुण्य कमाने में पहल कर समाज में उदाहरण बन सकते हैं।

(लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

मरने से पहले शिवभक्त कांवड़िए ने बचाई कई जिंदगी!

(प्रेरक कथा अंगप्रत्यारोपण दिवस 13 अगस्त पर विशेष)

हरियाणा से हरिद्वार कांवड़ लेने के लिए आए 25 वर्षीय सचिन कांवड़ ले जाते समय अचानक एक वाहन की चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल हो गए।उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया परन्त अस्पतालों में मरीजों की संख्या ज्यादा होने के कारण जिस अस्पताल में भी जाते वही मना हो जाती,यह बात जब उत्तराखंड की राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी तक पहुंची तो उन्होंने दिल्ली में चलते सदन के बीच ही ऋषिकेश एम्स के निदेशक को फोन किया और सचिन नामक कांवड़िए को भर्ती करके उसकी जान बचाने का अनुरोध किया।सचिन की हालत बहुत गम्भीर थी,फिर भी तमाम व्यवधानों के बावजूद उसका उपचार कर जान बचाने का भरसक प्रयास किया गया।सांसद कल्पना सैनी भी पूरे समय तक एम्स के चिकित्सकों के संपर्क में रही ताकि एक युवा की जिंदगी बचाई जा सके।परन्तु सचिन को ज्यादा चोट लगने के कारण उसका ब्रेन डेड हो चुका था और बचने की सारी उम्मीदे खत्म हो गई थी।जब यह बात उपचार कर रहे चिकित्सको ने सचिन के पिता सतीश को बताई और उन्हें बेटे की जिंदगी के बदले कई जिंदगियां बचाने के लिए बेटे के महत्वपूर्ण अंगों को दान करने की सलाह दी तो पहले तो वे विचलित हो गए और अपने लाडले के निर्जीव शरीर से अंग न निकालने पर अड़े रहे परन्तु काफी समझाने पर वे यह महादान करने के लिए तैयार हो गए।सचिन के ब्रेन डेड शरीर से किडनी,लीवर व आंखे अन्य मरीजों को प्रत्यारोपित करने के लिए चंडीगढ़ व नई दिल्ली तक विशेष कॉरिडोर बनाया गया ,तब जाकर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी हुई।सचिन अब स्वयं की जिंदगी के बजाए दुसरो को किए अंगदान से कई जिंदगियो के रूप में अमर हो गया है।सचिन के पिता सतीश ने समय पर मदद करने के लिए राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी को भावपूर्ण कर्तयज्ञता संदेश भेजा है। वास्तव में जब आप अंग दान करते हैं, तो आप किसी को जीवन जीने का दूसरा मौका देते हैं। लेकिन यह सिर्फ़ एक व्यक्ति की जान बचाने के बारे में नहीं ,बल्कि अंग दान से बहुत से लोगों और उनके परिवारों की मदद की जा सकती है। एक दाता 8 लोगों की जान बचा सकता है और 75 से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी बेहतर बना सकता है। सक्रिय अंग दाता बनने के लिए आपको मरना ज़रूरी नहीं है। अगर आप स्वस्थ हैं, तो आप जीवित रहते हुए भी किडनी या लीवर का हिस्सा जैसे कुछ अंग दान कर सकते हैं। इस तरह के दान से किसी व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है, जीवित दान में आमतौर पर एक किडनी या लीवर का हिस्सा या अन्य ऊतक दान करना शामिल होता है, आप दान करने के लिए पर्याप्त स्वस्थ चाहिए, और यह प्रक्रिया आपके और अंग प्राप्तकर्ता दोनों के लिए सुरक्षित है।हृदय, गुर्दे, यकृत और फेफड़े जैसे अंगों की मांग बहुत अधिक है, और इनमें से किसी एक प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा करते हुए हर दिन 17 लोग मर जाते हैं। हालांकि 170 मिलियन से अधिक लोग पंजीकृत दाता भी हैं।हकीकत यह है कि 1,000 में से केवल 3 लोग ही ऐसे मरते हैं जिससे मृतक अंग दान की अनुमति मिलती है। राष्ट्रीय प्रत्यारोपण प्रतीक्षा सूची में 103,223 लोगों में से किसी को भी अंगदान करके उनके जीवन को सुरक्षित किया जा सकता है।एक अंग दाता अंग दान के ज़रिए आठ लोगों की जान बचा सकता है। एक हृदय दान एक व्यक्ति की जान बचा सकता है, जबकि एक लीवर या फेफड़े का दान दो लोगों की जान बचा सकता है। किडनी दान दो लोगों की जान बचा सकता है, जबकि अग्न्याशय दान एक व्यक्ति की जान बचा सकता है और दूसरे के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। आंत दान भी एक व्यक्ति की जान बचा सकता है।

इसके अलावा, एक ऊतक दाता 75 लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है। कॉर्निया दान से दो लोगों की दृष्टि वापस आ सकती है, जबकि हड्डी और ऊतक दान से गंभीर चोटों या बीमारियों से पीड़ित लोगों की गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

अंग दान से प्राप्तकर्ता लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं और उनका जीवन बेहतर हो सकता है। भारत में अंग दान की दर दुनिया में सबसे कम है।कोई भी व्यक्ति, चाहे उसकी उम्र, जाति या धर्म कुछ भी हो, अपने अंग दान कर सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि संभावित अंग दाताओं को एचआईवी, कैंसर, हृदय रोग या मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियाँ न हों।जब भारत में अंगदान की बात आती है, तो मरीज के परिवार को अंग देने या न देने का अंतिम निर्णय लेना होता है। कोई भी व्यक्ति जो अपने अंग दान करना चाहता है, वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध डोनर अनुमति फॉर्म भरकर ऐसा कर सकता है।आइए हम यह संकल्प लें कि भारत में कोई भी व्यक्ति अंगों की कमी के कारण कभी नहीं मरेगा। (लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

शब्द पहेली - 8097

बाएँ से दाएँ

1.घूमना-फिरना-4
4.पक्षियों का शोर-4
7.धोखाधड़ी,मक्कारी-5
9.भस्म,खाक -2
11.आज्ञापालक,कर्मचारी-2
12.मगन,लीन-2
13.नेत्रावरण-3
15.त्याग,दक्षिणा-2
16.जीभ,जिव्हा-3
17.मक्खन-3
18.पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19.गर्भ-3
21.निवास,रहना-2
23.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.पानी,नीर-2
25.इच्छा पूर्ति करना-5
29.एक मुस्लिम महीना-4
30.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

1.अनबन,झगड़ा-4
2.भालू-2
3.परिणाम-2
4.प्याला-2
5.बालों का गुच्छा-2
6.वर,इच्छापूर्ति-4
8.नीरज,जलज-3
10.भयानक-5
11.दयालु-5
13.आश्रय,शरण-3
14.करिश्मा,करतब-3
18.तहखाना-4
20.मगरमच्छ-3
22.शलवार,पायजामा-4
25.आनंद-2
26.झुका हुआ-2
27.पत्र,चिट्ठी-2
28.नासिका,घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8096 का हल

■	ल	बा	दा	■	स	ल	वा	र
प	■	■	न	सी	ब	■	■	त
ल	■	र	बी	■	क	ल	■	ज
क	म	त	र	ता	■	त	म	ग
■	द	■	ता	■	रा	■	ग	■
म	न	का	■	मो	ह	त	र	मा
र	■	ला	र	■	दे	र	■	म
ह	■	■	प	र	ख	■	■	ला
म	र	घ	ट	■	ना	पा	क	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

4 सेकंड की देरी.......अमेरिकी जिमनास्ट चिल्स से छिन गया पदक

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक विवादों में रहा, सबसे बड़ा बवाल भारतीय पहलवान विनेश फोगाट के फाइनल मैच से पहले डिसक्वालीफाई करने के बाद पदक को चैलेंज पर हुआ। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का फैसला आना है, लेकिन इसके पहले ही एक खिलाड़ी के पदक की आस पूरी हुई। पेरिस ओलंपिक में अमेरिकी जिमनास्ट जॉर्डन चिल्स ने महिलाओं की फ्लोर एक्सरसाइज में कांस्य पदक जीता था, इस चैलेंज किया गया और फैसला रोमानिया की एना बारबोसु के हक में गया। खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने रिव्यू पैनल द्वारा दिए गए अंक को खारिज कर रोमानिया की बारबोसु को कांस्य पदक का हकदार पाया। महिलाओं की फ्लोर एक्सरसाइज में वे चौथे स्थान पर रही थी, जबकि कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने उन्हें तीसरे स्थान का हरदार मानकर कांस्य पदक देने का फैसला दिया। अमेरिका की जॉर्डन चिल्स जिन्हें कांस्य पदक मिला था वे कोर्ट द्वारा अंक काटे जाने के बाद पांचवें नंबर पर पहुंच गई और पदक छिन गया।

महिलाओं की फ्लोर एक्सरसाइज के दौरान पेरिस ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय जिमनास्टिक्स फेडरेशन द्वारा दिए गए एक फैसला से रोमेनिया कांस्य पदक जीतने से चूक गया। टीम की तरफ से सीएसए से इसे लेकर अपील हुई और फैसला टीम के हक में आया।

दरअसल मैच के दौरान अमेरिका की तरफ से अंक हासिल करने के लिए अपील की गई थी, तब अपील करने की समय सीमा खत्म हो चुकी थी। उन्होंने तय समय से 4 सेकंड की देरी से अपील की थी। सीएएस ने जांच में पाया कि रोमानिया की आपत्ति सही है।

इंवेट के फाइनल राउंड में अमेरिका की जॉर्डन का स्कोर 13.766 रहा था और वह तीसरे स्थान पर रही थी। वहीं एना ने 13.700 स्कोर किया और वे चौथे नंबर पर रही लेकिन कांस्य पदक से चूक गई। अपील के बाद सीएसए के फैसले के बाद अमेरिकी खिलाड़ी तीसरे से पांचवें नंबर पर खिसक गई और उनका कांस्य पद छिन गया।

दरअसल क्रिकेट को देखने वालों ने कई बार इस चीज को मैच के दौरान देखा होगा। मैच के वक्त जब फील्ड अंपायर कोई फैसला देता है और इस चैलेंज करना होता है, तब फील्डिंग करने वाले कप्तान या बल्लेबाज के पास रिव्यू लेने के लिए 15 सेकेंड का वक्त होता है। अगर इससे पहले आपने रिव्यू की मांग कर ली, तब ठीक अगर समय खत्म होने के बाद इशारा किया, तब नहीं माना जाता।

ओ ना ......हैट्रिक लेने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का 12 दिन का रहा इंटरनेशनल करियर

नई दिल्ली (ईएमएस)। किस्मत के खेल अजीब होते हैं। कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें खुद को स्थापित करने के लिए ढेरों मौके मिले लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। दूसरी ओर, कुछ खिलाड़ी हैं, इंटरनेशनल क्रिकेट में जिनके हिस्से में गिने-चुके मौके आए। इन मौकों पर अपने प्रदर्शन से इन्होंने चमक भी बिखेरी लेकिन ज्यादा नहीं खेल सके। इसतरह ऑस्ट्रेलिया के एंथोनी स्टुअर्ट को इस कैटगरी में रखा जा सकता है। न्यू साउथ वेल्स के लंबे कद के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट का इंटरनेशनल करियर महज 12 दिन का रहा। इस दौरान उन्होंने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ दिया। अपने आखिरी वनडे में उन्होंने हैट्रिक सहित 5 विकेट लेने के अलावा दो कैच भी लपके। वे प्लेयर ऑफ द मैच बने लेकिन फिर देश के लिए नहीं खेल सके। तीन वनडे के साथ ही उनके इंटरनेशनल करियर पर विराम लग गया। इसमें कोई शक नहीं हैं कि स्टुअर्ट को जितने भी मौके मिले, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

2जनवरी 1970 को पैदा हुए एंथोनी मार्क स्टुअर्ट दाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते थे। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बल पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाई और अपने 27वें जन्मदिन के तीन दिन बाद, 5 जनवरी 1997 को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे खेलकर करियर का आगाज किया। डेब्यू वनडे में उन्होंने 10 ओवर्स में 48 रन देकर दो विकेट झटके। इन विकेटों का महत्व इसकारण बढ जाता है क्योंकि बैटिंग विकेट पर इंडीज टीम ने ऑस्ट्रेलिया के 285 रनों का टारगेट मात्र 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। इन तीन विकेटों में से ब्रायन लारा और जूनियर मरे को स्टुअर्ट ने ही पवेलियन लौटाया था।

स्टुअर्ट ने दूसरा मैच 7 जनवरी को पाकिस्तान के खिलाफ खेला और 10 ओवर में 35 रन देकर एक विकेट लिया। दो रन आउट में भी उन्होंने योगदान दिया था। इसके बाद 16 जनवरी को खेला गया मैच उनके करियर के लिहाज से ‘मील का पत्थर’ रहा। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उन्होंने हैट्रिक सहित 5 विकेट लेने के अलावा 3 कैच भी लपके थे और मैच के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर बने थे। वे तब ब्रूस रीड के बाद वनडे में हैट्रिक लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने थे।

पारी के 12वें ओवर में स्टुअर्ट ने तीसरी गेंद पर एजाज अहमद, चौथी गेंद पर मोहम्मद वसीम और पांचवीं गेंद पर मोइन खान को आउट कर हैट्रिक बनाई थी। एजाज और वसीम को उन्होंने विकेटकीपर इयान हिली और मोइन को स्लिप पर कतान टेलर से कैच करवाया था। इसके पहले, उन्होंने पाकिस्तानी बैटर आमिर सोहेल और जहूर इलाही के भी विकेट लिए थे। यही नहीं, मैच में स्टुअर्ट ने इंजमाम उल हक और शाहिद अफरीदी के कैच भी लपके थे। बहरहाल, यह मैच इस ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज के इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ और इसके बाद उन्हें देश के लिए खेलने का अवसर नहीं मिला।

स्टुअर्ट का यह प्रदर्शन, ऑस्ट्रेलिया की 3 विकेट की जीत की आधार बना था। पहले बैटिंग कर पाकिस्तान की टीम 50 ओवर्स में 9 विकेट खोकर 181 रन ही बना पाई थी। स्टुअर्ट ने 5, माइकल बेवन ने 3 विकेट लिए थे जबकि बिकेल, मैग्राथ और वॉर्न जैसे दिग्गजों को कोई विकेट नहीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 182 रन का टारगेट तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया था। रिपोर्ट के अनुसार, स्टुअर्ट ने पारी के बाद कहा, ‘जब मैं हैट्रिक बॉल फेंकने जा रहा था, तब दर्शकों का शोर इतना था कि कुछ समझ नहीं पा रहा था। इतना शोर मैंने पहले कभी नहीं सुना था। मैंने गेंद को ऑफ स्टंप के बाहर रखा। मोइन ने शॉट लगाने की कोशिश की और बैट का किनारा लेकर गेंद पहली स्लिप में खड़े मार्क टेलर की ओर गई जिन्होंने बेहतरीन कैच लपका। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले इस मैच के बाद वे फिर कभी ऑस्ट्रेलिया के लिए नहीं खेल सके और 12 दिन में ही उनका करियर खत्म हो गया।

तीन वनडे के करियर में स्टुअर्ट ने 13.62 के औसत और 3.63 की इकोनॉमी से 8 विकेट लिए। स्टुअर्ट का फर्स्ट क्लास और लिस्ट ए करियर भी बहुत लंबा नहीं चला। 26 फर्स्ट क्लास मैचों में 70 विकेट और 27 लिस्ट ए मैचों में 45 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। 2000 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद स्टुअर्ट ने क्रिकेट में एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर जिम्मेदारी निभाई। बाद में न्यूजीलैंड में वेलिंगटन टीम की कोचिंग भी की।

चीन-अमेरिका ने 40-40 गोल्ड मेडल जीते फिर भी अमेरिका है ऊपर

पदक तालिका में पाकिस्तान 62वें तो भारत 71वें स्थान पर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक 2024 का समापन हो चुका है। 16 दिन तक चले इस खेल महाकुंभ में कई रिकॉर्ड बने तो कई टूटे भी। पदक तालिका में अमेरिका ने सबसे ज्यादा पदक हासिल किए हैं। अमेरिका और चीन ने एक समान 40-40 स्वर्ण पदक जीते लेकिन सिल्वर मेडल में अमेरिका चीन से ज्यादा था इसलिए वह पहले नंबर पर रहा जबकि चीन को दूसरा स्थान मिला। वहीं एक गोल्ड लेकर पाकिस्तान 62वें नंबर पर रहा। एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज के साथ भारत ने 71वें स्थान पर रहा है।

अमेरिका ने पेरिस ओलंपिक में 40 गोल्ड, 44 सिल्वर और 42 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। वहीं चीन 40 गोल्ड, 27 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज के साथ 91 मेडल लेकर दूसरे स्थान पर रहा। पेरिस ओलंपिक के आखिरी दिन अमेरिका और चीन में गोल्ड मेडल में आगे निकलने की होड़ लगी थी। अमेरिका ने आखिरी क्षणों में गोल्ड के मामले में चीन की बराबरी कर ली। वह गोल्ड के मामले में 38 से 40 पर पहुंच गया। जापान 20 गोल्ड, 12 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज के साथ 45 मेडल हासिल कर तीसरे नंबर पर रहा। वहीं ऑस्ट्रेलिया कुल 53 मेडल के साथ चौथे नंबर जिसमें 18 गोल्ड, 19 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज शामिल हैं। फ्रांस 16 गोल्ड, 26 सिल्वर और 22 ब्रॉन्ज के साथ 64 पदक के साथ पांचवें नंबर पर रहा है। चीन को पेरिस ओलंपिक के आखिरी दिन रविवार को वेटलिफ्टर ली वेनवेन ने गोल्ड मेडल जीतकर अमेरिका से आगे कर दिया। वेनवेन ने महिलाओं की 81 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद अमेरिका की ओर से साइकिलिंग में जेनिफर वालेंते ने अपने खिताब का बचाव करते हुए गोल्ड हासिल कर स्वर्ण पदकों की संख्या 39 पहुंचा दी। इसके बाद महिला बास्केटबॉल में अमेरिका के पास गोल्ड जीतकर चीन की बराबरी करने का आखिरी मौका था और वह कामयाब भी हो गया। इस तरह अमेरिका ने गोल्ड मेडल में चीन की बराबरी की।

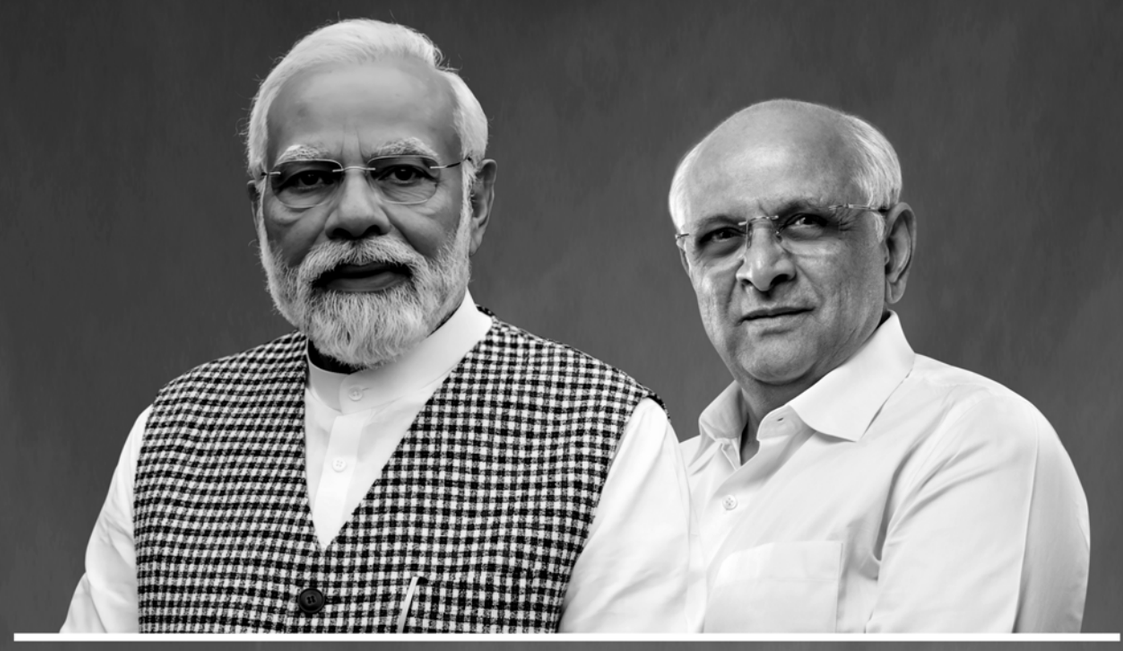

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार
હર ઘર
તિરંગા
લહેરાવીએ
तिरंगा हर घर,
गुजरात का गौरव
देश की शान, तिरंगे को मान
माननीय मुख्यमंत्री
श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
और
श्री अमितभाई शाह,
माननीय केंद्रीय मंत्री,
गृह एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार
अहमदाबाद में आयोजित
तिरंगा यात्रा में उपस्थित रहेंगे
दिनांक: १३ अगस्त, २०२४, समय: शाम ४ बजे
स्थल: केसरी नंदन चौक, विराटनगर रोड, विराटनगर, अहमदाबाद
www.harghartiranga.com

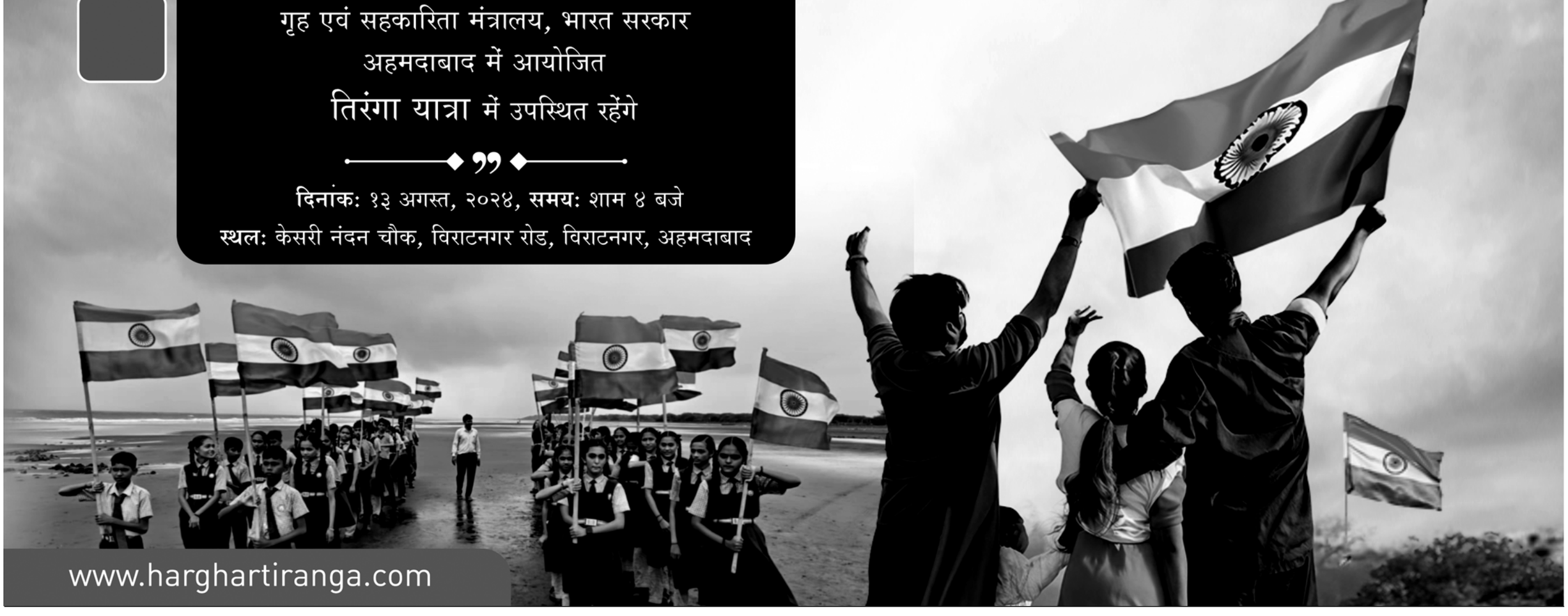

आइए पीएम मोदी के सपने को साकार करें: मनसुख मंडाविया ने गुजरात में युवाओं से की अपील

अहमदाबाद ,12 अगस्त

विश्व युवा दिवस पर केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में अहमदाबाद में 'इम्पैक्ट विद यूथ' कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं को विकसित भारत का वाहक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आप सभी को लक्ष्य कर 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा है. इसलिए देश को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की विशेष जिम्मेदारी है।

युवाओं की सफलता को देश की सफलता बताते हुए मंत्री ने आगे कहा कि हमारा देश लगभग 60 करोड़ की युवा संपत्ति के साथ सबसे युवा देश है। युवा जहां हैं वहीं से देश की प्रगति में शामिल हों, देश की प्रगति में अपना योगदान दें। उन्होंने प्रौद्योगिकी के सदुपयोग पर जोर देते हुए युवाओं से 'मेरा भारत पोर्टल' का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी अपील की.

उन्होंने युवाओं को पर्यावरण को प्राथमिकता देते हुए खेल और साइकिलिंग को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया और युवाओं से प्रदूषण कम करने के लिए सक्रिय प्रयास करने को कहा। इसके अलावा, करियर विकास में कौशल विकास एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है, उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिए हाल के केंद्रीय बजट में इंटर्नशिप जैसी योजनाएं प्रदान की गई हैं। जिसके जरिए सरकार करीब एक करोड़ युवाओं को प्रीमियम कंपनियों में इंटर्नशिप कराकर कुशल युवा तैयार करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, फिलहाल भारत सरकार का पूरा ध्यान युवाओं पर समय और ऊर्जा लगाने पर है जो देश का भविष्य हैं।

युवाप्रतीक निष्ठा पांचाल, निकिता पाल, आश्रय जोशी, आर्य चावड़ा, मीरा एरडा और मनदीप गोहिल को मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर मंत्री ने युवाओं से सहज संवाद किया. भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे ने कहा कि भारतीय स्कूलों में बच्चों की लैंगिक समानता दर बहुत अच्छी है। आप ऐसे देश के नागरिक हैं जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। भारत सरकार और यूनिसेफ संयुक्त रूप से उन युवाओं पर निवेश कर रहे हैं जो भारत का भविष्य हैं। इस मौके पर यूनिसेफ के गुजरात चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस प्रशांत दास और राज्य के कई जिलों से आए युवा मौजूद थे.

मुख्यमंत्री नडियाद में स्वतंत्रता दिवस-2024 राज्य स्तरीय समारोह ध्वज वंदन करेंगे

विधानसभा अध्यक्ष, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में करेंगे ध्वजारोहण

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वातंत्रता दिवस-2024का राज्यस्तरीय समारोह खेड़ा जिले के मुख्यालय नडियाद में आयोजित होगा।15अगस्त को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में नडियाद में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा। गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी बनासकांठा में जबकि राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में ध्वजारोहण करेंगे। कैबिनेट मंत्रियों में कनुभाई देसाई सूरत में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। ऋषिकेशभाई पटेल मेहसाणा,राघवजी पटेल जूनागढ़,बलवंतसिंह राजपूत कच्छ,कुंवरजी बावलिया अमरेली,मुलुभाई बेरा बोटाद,डॉ. कुबेरभाई डिंडोर साबरकांठा और श्रीमती भानुबेन बाबरिया गिर सोमनाथ जिला मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे। विधानसभा के उपाध्यक्ष जेठाभाई आहिर (भरवाड़) पंचमहाल जिला मुख्यालय में तिरंगा फहराएंगे। वहीं,राज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी वडोदरा में ध्वजारोहण करेंगे। जबकि,जगदीश विश्वकर्मा वलसाड,परषोत्तमभाई सोलंकी भावनगर,बचुभाई खाबड़ दाहोद,मुकेशभाई पटेल तापी,प्रफुलभाई पानशेरिया डांग,भीखूसिंह जी परमार देवभूमि द्वारका,कुंवरजीभाई हळपति नवसारी जिला मुख्यालय में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार आणंद, पोरबंदर, छोटा उदेपुर, अरवल्ली, पाटण, राजकोट, जामनगर, अहमदाबाद ,सुरेन्द्र नगर ,मोरबी,महीसागर,गांधीनगर,नर्मदा और भरूच जिला मुख्यालयों में संबंधित जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा।

सिंगरवा में 8.19 लाख रुपए के सामान के साथ 12 जुआरी गिरफ्तार

अहमदाबाद,12 अगस्त

पीसीबी अमले ने शहर के सिंगरवा जोरा टेकरा के पास खुले मैदान में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारकर 12 लोगों से 1.08 लाख रुपये नकद, वाहन और 8.19 लाख रुपये का सामान जब्त किया. तीनों मुख्य आरोपी बाहर से बड़ी संख्या में जुआरियों को बुलाते थे और उनसे जुए के पैसे पहले ही ले लेते थे और उन्हें एक विशेष वाहन में जुए के अड्डे पर ले जाते थे. वे शहर के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में वहां जुआ खेलने आते थे. इस संबंध में पुलिस ने निकोल थाने में मामला दर्ज कर सरसपुर कड़ियावाड निवासी अल्पेश पटेल, साबरमती गांधीवास निवासी अल्पेश पनारा और निकोल निवासी कानू बरैया को हिरासत में लेकर आगे की जांच की। पीसीबी के पीआई एमसी चौधरी से मुलाकात के अनुसार, जुआरी जोरा टेकरा के पास मैदान में नियमित रूप से जुआ खेलते थे। जिसके आधार पर पीसीबी पीएसआई वीडी खांट सहित स्टाफ ने सोमवार दोपहर को छापा मारा। जिसमें पुलिस को देखकर भगदड़ मच गई। हालांकि पुलिस ने कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया है. जब 10 से अधिक जुआरी भाग गये. आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि अल्पेश और उससे जुड़े आरोपी सिंघारवा वीके भट्टा के सामने जुआरियों को बुलाते थे और उनकी गाड़ियां एक रेस्टोरेंट के पास खड़ी कर देते थे. इसके बाद वह उनसे एडवांस में पैसे लेकर एक विशेष वाहन से जुए के अड्डे पर ले जाते थे. जहां जमा पैसे के एवज में तेरिया जुआ खेला जाता था. एडवांस में लिए गए पैसों का हिसाब-किताब सब्बीर रूपावाला (रेस्ट. एस्टोडिया चकला,जमालपुर) और जिग्नेश भाव सार (रेस्ट. सालवीवाड, सरसपुर) नाम के व्यक्ति रखते थे. वह जमा किए गए पैसों के बदले कुछ खास रंगों के सिक्के देता था. पुलिस द्वारा आगे की जांच की गई है.

गिरफ्तारआरोपी 1. शब्बीर रूपा वाला (शेष. सैफी मुहल्ला, जमालपुर) 2. अल्पेश पनारा (निवासी गांधीवास, साबरमती) 3. गौतम रूपेरा (शेष. वर्धमान सोसायटी, सुरेंद्रनगर) 4. अल्पेश प्रजापति (शेष. रूपापारी रोड, वाडीगाम, दरियापुर) 5. प्रदीप पटेल (निवासः धरती फ्लैट, वस्त्राल) 6. जिग्नेश भावसार (शेष. मोती साल्विवाड, सरसपुर) 7. करण ठक्कर (निवासी हरिदर्शन अपार्टमेंट, विश्वकुंज सोसायटी, मणिनगर) 8. मनीष पंजाबी (शेष. नीलकंठ सोसायटी, घोडासर) 9. अशोक परमार (निवासी हनुमान वास, रायखड) 10. मोहम्मद जावेद शेख (शेष. रांवाली चाली, रखियाल) 11। संदीपसिंह चावड़ा (निवास वसई डभाला, बीजापुर) 12. हितेश चावड़ा (बाकी. ओडनो टेकरो, ओल्ड वाडगे)

1.80 लाख की रिश्वत लेते धरा गया आरएमसी का प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी

राजकोट (ईएमएस) शहर के टीआरपी गेम जोन अग्निकांड के बाद भी राजकोट महानगर पालिका (आरएमसी) के अधिकारी भ्रष्टाचार से बाज नहीं आ रहे हैं चौंकानेवाली बात यह है कि तबादले के 45वें दिन आरएमसी का इंचार्ज चीफ फायर ऑफिसर रु. 180000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ धर लिया गया बता दें कि राजकोट के टीआरपी गेम जोन अग्निकांड में 27 लोगों की मौत हो गई थी और इस मामले में कई अधिकारी जेल जा चुके हैं तत्कालीन मुख्य अग्निशमन अधिकारी इलेश खेर और उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी बीजे थेबा फिलहाल जेल में हैं इलेश खेर की जगह कच्छ में सेवारत अनिलकुमार मारू को सरकार ने राजकोट का प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी नियुक्त किया हैं लेकिन प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारीकापदभारग्रहणकरने के 45वेंदिन एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अनिल कुमार मारू को उनके ही कार्यालय में1,80,000रुपये की रिश्वतलेतेपकड़ाहैं एसीबी के मुताबिक शिकायतकर्ता फायर सेफ्टी फिटिंग ऑपरेशन से जुड़ा है। जिसने राजकोट शहर की एक इमारत में अग्नि सुरक्षा केसंबंध में एनओसी प्राप्त करने के लिएप्रभारीमुख्य अग्निशमन अधिकारी अनिलमारू से संपर्ककिया था। अनिल मारूने शिकायतकर्ता 3लाख की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने उस समय1,20,000रुपये दे दिए थे और रिश्वत के बाकी की रकम 1,80,000रुपए चार-पांच दिन में देने का वादा किया हांलाकि शिकायतकर्ता रिश्वत की रकम नहीं देना चाहता था

भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त सुश्री लिंडी कैमरून ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से की शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर ,12 अगस्त

प्रधानमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर में भारत स्थित ब्रिटिश उच्चायुक्त सुश्री लिंडी कैमरून से शिष्टाचार भेंट की। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त का पद संभालने के बाद उनकी पहली गुजरात यात्रा पर मुख्यमंत्री ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने उनसे बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के बीच आपसी संबंधों का पुल मजबूत हो रहा है और गुजरात भी अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है. इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबको साथ लेकर चलने की नीति से सबका साथ-सबका विकास के मंत्र को साकार किया है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ब्रिटिश उच्चायुक्त से बातचीत में कहा कि गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य है, न केवल दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड ऊर्जा पार्क कच्छ में निर्माणाधीन है, बल्कि उभरते क्षेत्रों में भी गुजरात की वैश्विक उपस्थिति है। हरित हाइड्रोजन.

इस संदर्भ में सुश्री लिंडी कैमरून ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ब्रिटेन के साथ आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री को ब्रिटेन में भारतीय प्रवासी और गुजराती समुदाय की संख्या और वहां के व्यापार जगत में उनके महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी दी।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने गुजरात के औद्योगिक निवेशकों के ब्रिटेन में निवेश के लिए आने पर उनका स्वागत करने और समर्थन करने की उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने गुजरात में संचालित ब्रिटिश उद्यमों को राज्य सरकार के सहयोग के लिए मुख्यमंत्री और राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ब्रिटिश उद्योगों को राज्य में उद्योग स्थापित करने सहित आवश्यक सुविधाओं के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री से बातचीत में ब्रिटिश उच्चायुक्त ने साइबर सुरक्षा में ब्रिटेन की विशेषज्ञता का लाभ गुजरात को दिया और इस संबंध में एनएफएसयू के साथ सहयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अगले ओलंपिक-2036 की मेजबानी के लिए गुजरात की प्रारंभिक तैयारियों का विवरण देते हुए यह भावना व्यक्त की कि ऐसी योजना में ब्रिटेन की विशेषज्ञता से गुजरात को लाभ होगा। उन्होंने इस दिशा में परामर्श किया कि खेलों के समापन के बाद ओलंपिक के लिए बुनियादी ढांचे को लोगों के लिए दीर्घकालिक कैसे बनाया जा सकता है।

अजवा झील का स्तर 211.60 फीट

वडोदरा 12 अगस्त

वड़ोदरा शहर में पिछले एक सप्ताह से दिन के दौरान मध्यम बूंदाबांदी हो रही है। जब चार दिनों तक शाम को एक या दो घंटे तक एक या दो इंच तक भारी बारिश होती है। जबकि एक सप्ताह से लगातार मध्यम बूंदाबांदी हो रही है। वडोदरा शहर में सीजन की कुल बारिश का 77 फीसदी बारिश हो चुकी है. जबकि जिले में 63.42 फीसदी रिकार्ड किया गया है. आज का लेवल 211.60 फीट है.

वहीं विश्वामित्री नदी 16 फीट पर बह रही है.

पालड़ी दत्त सोसायटी में हुई डकैती की गुत्थी सुलझ गई

भचौनी गैंग के मुख्य आरोपी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया

अहमदाबाद,12 अगस्त

15 दिन पहले लुटेरों ने शहर के पालड़ी स्थित दत्त सोसायटी में एक किराना दुकान के गोदाम पर हमला कर दुकान के मालिक और मैनेजर को जान से मारने की धमकी देकर 3.10 लाख रुपये की नकदी और स्कूटर लूट लिया था. अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने इस मामले में शामिल भचौनी गैंग के पांच आरोपियों को रविवार देर रात इस्कॉन ब्रिज से उठाया। आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि स्टोर में पहले काम करने वाले एक युवक ने उन्हें मुखबिरी की थी कि विभिन्न स्टोरों के कलेक्शन से 50 से 60 लाख रुपये की रकम लूटकर हासिल की जा सकती है. जिसके आधार पर भचाऊ को एक गिरोह ने लूट लिया। शहर के पालडी स्थित समस्त ब्रह्मक्षत्रिय सोसायटी में रहने वाले सुमतिलाल जैन अहमदाबाद में जैन सुपर बाजार के नाम से शहर के अलग-अलग इलाकों में किराना बाजार का कारोबार चलाते हैं। जिसके लिए थोक में खरीदे गए किराना और अन्य सामान को रखने के लिए पालडी दत्त सोसायटी में एक गोदाम का निर्माण किया गया था। गत 27 जुलाई को जब वह गोदाम में था, तभी तीन हथियारबंद लुटेरों ने उस पर हमला कर तीन लाख रुपये नकद और एक स्कूटर लूट लिया। मामले की जांच अहमदाबाद क्राइम ब्रांच द्वारा शुरू की गई थी। जिसमें तकनीकी निगरानी और मानव खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस निरीक्षक एमएल सालुके को डकैती में शामिल गिरोह के बारे में विशेष जानकारी मिली. जिसके आधार पर रविवार की रात पालडी से चुराए गए स्कूटर के साथ पांच लोगों को साणंद चार रोड से उठाया गया. पुचपराचमा नटेम के नाम रमेश कोली, विनेश कोली, हरेश कोली, नागजी कोली और धर्मेश कोली (सभी भचाऊ, भुज के रहने वाले) पाए गए।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए क्राइम ब्रांच के एसीपी भरत पटेल ने बताया कि मितेश नाम के युवक ने, जो पहले जैन बाजार में काम करता था, मुंद्रा में रहने वाले किशन मेद्रानी नाम के युवक को टिप दी कि सुमतीलाल जैन और मैनेजर सभी से मिले कैश की गिनती कर लें. रात नौ बजे के बाद दुकानें हैं रकम 50 से 60 लाख रुपये है. किशन ने इसकी जानकारी रमेश कोली को दी। जिसके आधार पर दो माह पहले किशन, रमेश, मितेश और मोंटू नाम का युवक रात को लूट करने आए। लेकिन, लूट की वह योजना विफल हो गयी. इसके बाद रमेश तीन अन्य आरोपियों के साथ दोबारा डकैती करने आया। हालांकि इस बार भी वह लूट की वारदात को अंजाम नहीं दे सका. आख़िरकार रमेश ने भचाऊ गिरोह के चार अन्य सदस्यों के साथ मिलकर गत 27 जुलाई को डकैती को अंजाम दिया. पुलिस ने आरोपियों केपास से 80 हजार रुपये नकद, स्कूटरऔर अन्य सामान जब्त कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

पाटन से कोंगी विधायक की मांग मंजूर

उत्तर गुजरात को नर्मदा जल देने का मुख्यमंत्री का निर्णय

गांधीनगर ,12 अगस्त

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने उत्तर गुजरात के किसानों और नागरिकों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नर्मदा बांध के अपस्ट्रीम में व्यापक बारिश के परिणामस्वरूप सरदार सरोवर बांध में जल स्तर बढ़ गया है। उत्तरी गुजरात की झीलों तक पहुंचाया गया। उत्तर गुजरात के पाटन विधायक डॉ. किरीट पटेल ने आज राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने की मांग की है.

राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री के निर्देशन में उत्तरी गुजरात के बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा और साबरकांठा जिलों की कुल 952 झीलों में 13 विभिन्न पाइपलाइनों के माध्यम से नर्मदा जल की आपूर्ति करने की अग्रिम योजना बनाई है। फिलहाल इन पाइप लाइनों के जरिए इन झीलों तक 1 हजार क्यूसेक पानी पहुंचाना शुरू कर दिया गया है, जिसे अगले कुछ दिनों में धीरे-धीरे बढ़ाकर 2400 क्यूसेक पानी किया जाएगा.

मध्य प्रदेश के जलाशयों से पानी की भारी आवक के कारण मानसून सीजन में पहली बार सरदार सरोवर बांध का जल स्तर 135.26 मीटर तक बढ़ गया है. ऊपरी धारा से आ रहे 3,09,769 क्यूसेक पानी से सरदार सरोवर बांध 90 प्रतिशत भर गया है। राज्य के कुल 207 जलाशयों में से 49 जलाशय पूरी तरह भरे हुए हैं। सौराष्ट्र के 35, कच्छ के छह जलाशय ओवरफ्लो हो गए हैं। दक्षिण गुजरात में सात और मध्य गुजरात में एक बांध हाउसफुल है। अपस्ट्रीम से पानी प्राप्त करने वाले राज्य के 89 जलाशय हाई अलर्ट पर हैं। 90 फीसदी से ज्यादा भरे 62 जलाशयों को हाई अलर्ट पर रखा गया है.

डभोई तालुक के चंदोद, करनाली और नंदेरिया, करजन तालुक के अंबाली, बरकल, देवार, मालसर, दरियापुरा, मोलेथा, झांजड, कंजेथा, शिनोर, मांडवा, सुरशमल और पुरा, आलमपुरा, राजली, लिलाईपुरा, नानी कोरल, बिगी कोरल, जूना सर , सागरोल, ओज, सोमज, देलवाड़ा, अरजपुरा गांव शामिल हैं।

नर्मदा बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा इन तीन तालुकाओं के उक्त 25 गांवों के नागरिकों से नदी तल पर न जाने की अपील की गई है. उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर बांध के निचले इलाकों में किसी भी दुर्घटना या हताहत से बचने के लिए सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। जिला आपदा प्रबंधन बोर्ड द्वारा बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है. आपदा के समय 1077 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

विदेश में बैठकर वेतन ले रहे शिक्षकों के खिलाफ कब कार्यवाही करेगी गुजरात सरकार:कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गांधीनगर स्थित शिक्षा क्षेत्र में विश्व स्तरीय रियल-टाइम ऑनलाइन मॉनिटरिंग-लर्निंग समीक्षा केंद्र में छात्रों और शिक्षकों की दैनिक रियल-टाइम ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली पर शिक्षा विभाग की नजर क्यों नहीं पड़ी?इन सभी पहलों के लिए विद्या समीक्षा केंद्र में विशेष डैशबोर्ड तैयार किए गए हैं और इन डैशबोर्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री के डैशबोर्ड पर निरंतर डेटा भी प्रदान किया जाता है। इसके बावजूद लगातार अनुपस्थित शिक्षकों से शिक्षा विभाग अनजान क्यों है?इतने गंभीर मामले की अनदेखी क्यों की गई?गुजरात कांग्रेस के मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि डमी स्कूलों के व्यापक उपयोग के साथ-साथ डमी शिक्षकों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग शिक्षा जगत के लिए चिंता का कारण है। सुदूरवर्ती इलाकों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में लगातार अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों की जांच शिक्षा विभाग कर भी रहा है या नहीं यह किसी को नहीं मालूम।विदेश जाने के लिए90दिन की छुट्टी दी जाती है यदि एक वर्ष से अधिक अवकाश पर रहने पर बर्खास्त करने का प्रावधान है तो लगातार अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गयी?गुजरात में स्कूली शिक्षा में लगभग2.4लाख शिक्षक, 10,000पर्यवेक्षी कर्मचारी और2.5लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।2019मेंशिक्षा क्षेत्र का देश का पहला कमांड और कंट्रोल सेंटर-ण्ण्णको वास्तविक समय की ऑनलाइन निगरानी के लिए चालू घोषित किया गया था। यह घोषणा की गई है कि पूरे राज्य के बीआरसी,सीआरसी,जिला और तालुका अधिकारियों,स्कूल प्रमुख शिक्षकों आदि की निरंतर निगरानी,लाइव डेटा शेयरिंग दो अत्याधुनिक मॉनिटरिंग से विशेष रूप से चयनित और प्रशिक्षित50शिक्षकों द्वारा की जा रही है। विद्या समीक्षा सेंटर पिछले ढाई वर्षों में यूनिट टेस्ट (पीएटी),सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षाओं के1करोड़ से अधिक छात्रों के हर साल500करोड़ से अधिक विभिन्न डेटा सेट एकत्र करने का महत्वपूर्ण कार्य करने का दावा करता है।छात्रों और शिक्षकों की वास्तविक समय में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जाती है। राज्य के कुछ शिक्षक विदेशों में सैर कर रहे हैं और राज्य के शिक्षा विभाग से वेतन ले रहे हैं कुछ शिक्षक बच्चों की पढ़ाई की कीमत पर विदेश में मौज कर रहे हैं। गुजरात के सरकारी स्कूलों में नौकरी और वेतन जारी रखते हुए विदेश जाने वाले शिक्षकों के संगठित घोटाले के खिलाफ राज्य सरकार कब ठोस कार्रवाई करेगी?विदेशों में सैर-सपाटे कर रहे शिक्षकों के खिलाफ राज्य सरकार कब ठोस कार्रवाई करेगी?लंबे समय से अमेरिका,कनाडा में मौज-मस्ती कर रहे गुजरात के शिक्षक वापस नहीं लौटे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग उनके वेतन का भुगतान कर रहा है। सवाल यह है कि ऐसे शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया,लेकिन उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया गया?लंबे समय से विदेश में रह रहे ये शिक्षक किसकी मदद ले रहे हैं?वहीं, 40हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद लंबे समय से खाली हैं वर्तमान में कार्यरत अधिकांश शिक्षक शिक्षा के अलावा अतिरिक्त कार्य करने के लिए मजबूर हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के गरीब-आम-मध्यम वर्ग के बच्चों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस पार्टी की मांग है कि सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने के बजाय शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस कदम उठाएँ

एक्सिस बैंक और वीज़ा ने भारत के अभिजात वर्ग के लिए किया अल्ट्रा लग्जरी क्रेडिट कार्ड, 'प्राइमस' का अनावरण

मुंबई, 12 अगस्त, 2024: भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने डिजिटल भुगतान में वैश्विक स्तर पर अग्रणी संगठन, वीज़ा के साथ साझेदारी में 'प्राइमस' कार्ड लॉन्च किया है। यह एक अल्ट्रा-प्रीमियम क्रेडिट कार्ड है, जिसे विलासिता को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार किया गया है। नए सुपर-प्रीमियम कार्ड, प्राइमस की पेशकश चुनिंदा अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ वाले एक्सिस बैंक के ग्राहकों को केवल आमंत्रण के ज़रिये की जाएगी। भारत में पहली बार, ग्राहकों को वीज़ा इनफिनिट प्रिविलेज पेशकश के तहत वैश्विक स्तर पर पसंद किये जाने वाले, विशेषाधिकार और लाभ मिलेंगे।

भारत का जीडीपी बढ़कर लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर हो गया हैड1.और इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। इस आर्थिक वृद्धि ने पर्याप्त धन संचय को बढ़ावा दिया और रिकॉर्ड 200 भारतीयों ने फोर्ब्स 2024 की दुनिया के अरबपतियों की सूची में जगह बनाई हैड2। साथ ही अनुमान है कि भारत में 2026 तक लगभग 16.3 लाख करोड़पति होंगेड3। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत के अल्ट्रा-हाई-नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों (यूएचएनडब्ल्यूआई) की कुल संपत्ति 30 मिलियन डॉलर से अधिक है, जो अगले पांच साल में 58.4इ तक बढ़ जाएगी।

संदीप घोष, ग्रुप कंट्री मैनेजर, वीज़ा इंडिया एवं साउथ एशिया ने इस मौके पर कहा, ठहमें भारत में सबसे शौकीन और परिष्कृत उपभोक्ताओं के लिए उबर-प्रीमियम क्रेडिट कार्ड पेश करते हुए खुशी हो रही है। एक्सिस बैंक वीज़ा इनफिनिट प्रिविलेज पेशकश के लिए हमारा पहला भागीदार है। एक्सिस प्राइमस कार्ड, वीज़ा ब्रांड के वादे, विश्वास और वैश्विक स्वीकृति के आधार पर अनोखे विशेषाधिकार और अनुभव प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि यह पेशकश हर लिहाज़ से हमारे कार्डधारकों की अपेक्षाओं से अधिक सुविधा प्रदान करेगी।ठ

क्रेसंडा रेलवे सॉल्यूशंस ने पूर्वी रेलवे में वाईफाई और ऑन डिमान्ड कन्टेन्ट प्रदान करने के लिए शौर्य टेलीसर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया

पायलट प्रोजेक्ट सबसे पहले एक लंबी दूरी की ट्रेन से शुरू होगा जो हावडा डिवीजन से शुरू होगी और बाड़मेर (राजस्थान) तक यात्रा करेगी

मुंबई, 12 अगस्त, 2024 - प्रमुख प्राइवेट रेलवे सहायक कंसीयज सेवा और डिजिटल मीडिया कंपनी क्रेसंडा रेलवे सॉल्यूशंस (BSE: CRESSAN) ने हाल ही में पूर्वी रेलवे भर में वाईफाई और कन्टेन्ट ऑन डिमान्ड प्रदान करने के लिए शौर्य टेलीसर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है।

यह एक परिवर्तनकारी पहल है और वास्तविक डिजिटल भारत की दिशा में एक और कदम है। पायलट प्रोजेक्ट सबसे पहले एक लंबी दूरी की ट्रेन से शुरू होगा जो हावडा डिवीजन से शुरू होगी और बाड़मेर (राजस्थान) तक यात्रा करेगी। यह साझेदारी पूरे भारत में ट्रेनों में डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांति लाने के लिए तैयार है, जो वास्तव में डिजिटल भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर कनेक्टिविटी की पेशकश से, यात्रियों को अधिक सहज और आनंददायक यात्रा का अनुभव होगा, जिससे डिजिटल अंतर भी कम होगा।

क्रेसंडा ने रेल सर्विसेज के साथ एक निश्चित समझौता भी किया है और रेल सेवा फर्म ऐप 'रेल सर्विसेज' और 'रेल सर्विसेज मैनेजर' का अधिग्रहण करेगा। ''रेल सर्विसेज'' एप्लिकेशन यात्रियों को उनकी व्हीलचेयर आवश्यकताओं को आसानी से बुक करने की सुविधा प्रदान करता है। क्रेसंडा को अपने कंसीयज सर्विसेज टेंडर के माध्यम से शुरुआत में हावडा और सीलदाह डिवीजनों से व्हील चेयर सेवाएं प्रदान करने की अनुमति दी गई है। व्हील चेयर सेवा दिनांक 01 अगस्त, 2024 से हावडा से प्रारंभ हो गई है और बाद में सीलदाह और पूर्वी रेलवे के अन्य डिवीजनों तक इसका विस्तार किया जाएगा।

क्रेसंडा रेलवे सॉल्यूशंस लिमिटेड निजी क्षेत्र की एक प्रमुख रेलवे सहायक (कंसीयर्ज) सेवा और डिजिटल मीडिया कंपनी है।

शौर्य टेलीसर्विसेज न्यूट्रल डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी है, जो रूफटॉप साइटों, इन-बिल्डिंग कवरेज समाधानों और एयरटेल, बीएसएनएल, जियो और वोडाफोन आइडिया जैसे प्रमुख मोबाइल ऑपरेटरों द्वारा साझा की जाने वाली छोटी सेल साइटों के निर्माण और पट्टे पर देने में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) के लिए न्यूट्रल पैसिव इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए भी समर्पित है। इस नई साझेदारी के साथ, शौर्य टेलीसर्विसेज दूरसंचार क्षेत्र में नवाचार को आगे बढ़ा रही है।

क्लासिक फिल्मों को फिर से रिलीज करने से हमारे युवाओं को बेहतरीन सिनेमा को फिर से खोजने का मौका मिलता है, आनंद पंडित कहते हैं

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर, निर्माता चर्चा करते हैं कि पुरानी हिट फिल्मों को फिर से प्रदर्शित करने से युवा पीढ़ी की सिनेमा की समझ कैसे बढ़ेगी

इस साल, श्याम बंगाल की ग्रामीण त्रयी की तीसरी फिल्म 'मंथन' को कान क्लासिक्स सेक्शन में खूब सराहा गया। दिलचस्प बात यह है कि बंगाल की ग्रामीण त्रयी की अन्य दो फिल्में (अंकुर और निशांत) भी 70 के दशक में फेस्टिवल डी कान की प्रतियोगिता श्रेणी में प्रदर्शित की गई थीं। निर्माता आनंद पंडित कहते हैं, ''मंथन' को मई में पूरे भारत में 100 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और दर्शकों में से कई युवा लोग इसकी सिनेमाई सुंदरता, सामाजिक समावेशिता के संदेश और इस तथ्य से प्रभावित हुए कि 500,000 किसानों ने इसके निर्माण के लिए धन दिया था।

दिग्गज निर्माता का मानना है कि क्लासिक फिल्मों को फिर से रिलीज करने से न केवल युवा अपनी सिनेमाई विरासत से परिचित हो सकते हैं, बल्कि ऐसी फिल्मों को भी फिर से प्रमुखता मिल सकती है, जिन्हें बड़े पर्दे पर फिर से देखा जाना चाहिए। पंडित कहते हैं, ठहाल के दिनों में, मैंने सिनेमाघरों में अमिताभ बच्चन की 'डॉन' जैसी मशहूर फिल्मों के प्रदर्शन के समय लोगों में उत्साह देखा है। दर्शक 'खईके पान बनारस वाला' गाने पर नाच रहे थे और इनमें से कई युवा तो 1978 में फिल्म रिलीज होने के समय पैदा भी नहीं हुए थे।ठ साथ ही वे उस समय की याद भी दिलाते हैं, जब कुछ समय पहले दिलीप कुमार और देव आनंद की फिल्में प्रदर्शित की गई थीं।

एक्सिटा कॉटन लिमिटेड ने 1:3 के अनुपात में बोनस इश्यू की घोषणा की, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए रु. 3.54 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया

अहमदाबाद, 12 अगस्त, 2024 - भारत में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता वाली कपास की गांठें, कपास के बीज और सूती धागे के निर्यातकों में अग्रणी निर्माताओं में से एक एक्सिटा कॉटन लिमिटेड ने 1:3 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने की घोषणा की है (यानी, रिकॉर्ड तिथि के अनुसारप्रत्येक 3 फुल्ली पेइड-अप इक्विटी शेयर्स के लिए रु.1का 1बोनस इक्विटी शेयर) जो शेयरधारकों से अनुमोदन के अधीन है।

कंपनी ने 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम भी घोषित किए। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए रु. 3.54 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जबकि कर पूर्व लाभ रु. 4.96 करोड़ था। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी की कुल आय रु. 154.96 करोड़ और एबिटा रु.5.73 करोड़ रही।

वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के दौरान कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, एक्सिटा कॉटन लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री नितिनभाई पटेल ने बताया कि, ''चुनौतीपूर्ण उद्योग परिदृश्य और वैश्विक सुस्ती के बावजूद हमें मजबूत तिमाही नतीजों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। केंद्र सरकार नए बाजारों तक पहुंच बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। भारतीय कपड़ा उद्योग देश के प्रमुख उद्योगों में से एक है और सरकार अपनी नीतियों और पहलों के माध्यम से उद्योग को आगे बढ़ा रही है ताकि यह वैश्विक प्रतिस्पर्धी बन सके और अपनी वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ा सके।

31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए, एक्सिटा कॉटन लिमिटेड ने रु. 20.33 करोड़ का शुद्ध लाभ, रु. 27.30 करोड़ का कर पूर्व लाभ और रु. 1,104.38 करोड़ की कुल आय दर्ज की थी। जैविक कपास (ओर्गेनिक कॉटन) उद्योग तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि उपभोक्ता पारंपरिक कपास उत्पादन के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों के बारे में अधिक जागरूक हो गए हैं। 2020 में, जैविक कपास का वैश्विक बाजार 1.3 बिलियन डॉलर का था, और 2025 तक इसके बढ़कर 2.5 बिलियन डॉलर होने की उम्मीद है।

सरदार सरोवर डैम के नौ गेट खुले

बड़ोदरा (ईएमएस)। मध्य प्रदेश में जोरदार बारिश के बाद सभी बांध लबालब हो चुके हैं। बरगी बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। ओंकारेश्वर से भी पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण सरदार सरोवर का बांध पूरी तरह से भर गया है। रविवार को सरदार सरोवर बांध के 9 गेट खोल दिए गए हैं। बड़ोदरा भरूच और आसपास के इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। गुजरात सरकार ने नर्मदा किनारे बसे हुए सभी गांव को अलर्ट किया है। वह अपनी सुरक्षा के इंतजाम करें, और ऊँचे इलाके की तरफ चले जाए। प्रशासन को भी सरकार ने आगाह किया है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95